लेखाशास्त्र

अध्याय-5: साझेदारी फर्म का विघटन

SHIVOM CLASSES
8696608541

साझेदारी फर्म का विघटन

भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 के अनुसार जब एक फर्म (सार्थ) के सभी साझेदार आपस में, पूर्व स्थापित सम्बन्ध विच्छेद कर लें तो इसे साझेदारी फर्म का विघट कहते हैं। एक फर्म के विघटन के बाद फर्म का व्यवसाय अनिवार्यतः समाप्त हो जाता है क्योंकि व्यवसाय समाप्त हुए बिना फर्म का विघटन नहीं हो सकता।

भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धारा 39 के अनुसार, "फर्म के समस्त साझेदारों के बीच साझेदारी समाप्त हो जाने को फर्म का विघटन कहते हैं।"

जब एक या कुछ साझेदारों के मध्य साझेदारी सम्बन्ध समाप्त होता है, अथवा एक या कुछ साझेदार फर्म से अलग हो जाते है तो साझेदारी का विघटन कहते हैं। ऐसी दशा में शेष पुनर्गठन (नवीन समझौता) कर व्यवसाय चालू रख सकते हैं।

साझेदारी के विघटन की परिभाषा

साझेदारी का तात्पर्य है साझेदार के बीच मौजूद अमूर्त कानूनी संबंध। साझेदारी का विघटन इसलिए, भागीदारों के बीच संबंध की समाप्ति है।

यह पागलपन, मृत्यु या किसी अन्य कारण से साथी की सेवानिवृत्ति या अक्षमता के कारण हो सकता है, साझेदारी, जिसका अर्थ है कि उस साथी और अन्य भागीदारों के बीच संबंध समाप्त हो

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जाता है। हालाँकि, शेष भागीदार जारी रह सकते हैं, और इस प्रकार फर्म अपना अस्तित्व नहीं खोता है। लेकिन, जब भागीदार आगे कारोबार नहीं करते हैं, तो फर्म अपने आप भंग हो जाती है।

साझेदारी का विघटन निम्नलिखित रूप ले सकता है:

- मौजूदा लाभ साझाकरण अनुपात में बदलाव
- एक साथी का प्रवेश
- किसी साथी की सेवानिवृत्ति या मृत्यु
- एक साथी की दिवालियेपन।
- साझेदारी के कार्यकाल की समाप्ति।
- निर्दिष्ट उद्यम का समापन।
- समझौते से विघटन।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि जब एक साझेदारी भंग हो जाती है, तो भागीदारों के बीच पुराने समझौते को समाप्त कर दिया जाता है और नया समझौता होता है।

फर्म का विघटन

भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धारा 39 के अनुसार, “फर्म के समस्त साझेदारों के बीच साझेदारी समाप्त हो जाने को फर्म का विघटन कहते हैं।” जब एक या कुछ साझेदारों के मध्य साझेदारी सम्बन्ध समाप्त होता है, अथवा एक या कुछ साझेदार फर्म से अलग हो जाते है तो साझेदारी का विघटन कहते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

फर्म का विघटन एवं साझेदारी के विघटन में अन्तर-

फर्म का विघटन होने पर साझेदारी का भी विघटन हो जाता है लेकिन साझेदारी का विघटन होने पर फर्म का विघटन होना आवश्यक नहीं है। किसी साझेदार के प्रवेश करने पर या अवकाश ग्रहण करने पर या किसी साझेदार की मृत्यु हो जाने पर साझेदारों के मध्य पूर्व में हुआ समझौता समाप्त हो जाता है तथा बाद में एक नया समझौता कर व्यवसाय जारी रखा जा सकता है। जबकि फर्म के विघटन में साझेदारी के अन्त के साथ व्यवसाय का भी अन्त हो जाता है।

साझेदारी फर्म के विघटन की परिस्थितियाँ 'या' ढंग-

साझेदारी फर्म के विघटन की परिस्थितियों को भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धाराएं 40 से 44 तक स्पष्ट किया गया है जिनका वर्णन निम्नानुसार हैं-

ठहराव द्वारा विघटन (Dissolution by Agreement) (धारा 40)- फर्म के विघटन के लिए जब सभी साझेदार सहमत हो या साझेदारी संलेख में अथवा उनके बीच में ऐसा कोई अनुबन्ध हुआ हो।

अनिवार्य विघटन (Compulsory Dissolution or dissolution by the Operation of Law) (धारा 41) – निम्नलिखित परिस्थितियों के अन्तर्गत किसी फर्म का अनिवार्य विघटन हो जाता है:

- जब कोई ऐसी घटना हो जाये तो फर्म के व्यवसाय के संचालन को अवैधानिक बना दें।
- जब सब या एक को छोड़कर शेष साझेदार न्यायालय द्वारा दिवालिया घोषित (मान्य) कर दिये जायें।

(ग) आकस्मिक घटना के घटित होने पर विघटन (Dissolution on the happening of Unexpected Event) (धारा 42)- इसके अन्तर्गत निम्नलिखित दशाओं में से किसी भी दशा में फर्म का विघटन हो जाता है-

- यदि साझेदारी का गठन एक निश्चित अवधि के लिए हुआ है तथा वह अवधि समाप्त हो गयी है;

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- यदि साझेदारी का गठन एक या कुछ उपक्रम अथवा उद्देश्य के लिए किया गया है तो उसके पूर्ण होने पर;
- किसी साझेदार के दिवालिया घोषित हो जाने पर;
- किसी साझेदार की मृत्यु होने पर।

सूचना द्वारा विघटन (Dissolution by Notice of Partnership at Will) (धारा 43)- यदि साझेदारी ऐच्छिक है तो कोई भी भी साझेदार अन्य साझेदारों को फर्म के विघटन से सम्बन्धित, अपने अभिप्राय की लिखित सूचना देकर फर्म का विघटन करा सकता है।

न्यायालय द्वारा विघटन (Dissolution by Court) (धारा 44)- किसी साझेदार द्वारा वाद प्रस्तुत करने पर न्यायालय द्वारा निम्नलिखित परिस्थितियों में फर्म का विघटन सम्बन्धी आदेश पारित किया जा सकता है :

1. जब कोई साझेदार अस्वस्थ मस्तिष्क का हो गया है।
2. जब कोई साझेदार किसी कारण से साझेदार के रूप में अपने कर्तव्यों का निष्पादन करने में स्थायी रूप से अयोग्य हो गया है।
3. जब कोई साझेदार ऐसे आचरण का दोषी हो जिससे व्यवसाय को क्षति पहुँचने की सम्भावना हो या हो रही हो।
4. जब कोई साझेदार निरन्तर और जान-बूझकर आपसी समझौते या साझेदारी संलेख का उल्लंघन करता है।
5. जब कोई साझेदार, फर्म में निहित अपने समस्त हितों को किसी तीसरे व्यक्ति (पक्षकार) को हस्तान्तरित कर दे।
6. जब फर्म का व्यवसाय बिना हानि के चलाया जाना सम्भव न हो।
7. जब किसी कारण से फर्म का विघटन न्यायालय के दृष्टिकोण से उचित एवं न्यायसंगत हो।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

05 साझेदारी फर्म का विघटन

तुलना के लिए आधार	साझेदारी का विघटन	फर्म का विघटन
अर्थ	एक साझेदारी के विघटन से तात्पर्य साझेदार और फर्म के अन्य भागीदारों के बीच संबंध के विच्छेद से है।	फर्म के विघटन से तात्पर्य है कि संपूर्ण फर्म का अस्तित्व समाप्त हो जाता है, जिसमें सभी भागीदारों के बीच संबंध शामिल हैं।
प्रकृति	स्वैच्छिक	स्वैच्छिक या अनिवार्य
व्यापार	फर्म का व्यवसाय पहले की तरह जारी है।	फर्म का व्यवसाय समाप्त हो जाता है।
आर्थिक संबंध	जारी है लेकिन एक परिवर्तित रूप में।	अंत हो जाता है।
लेखा	रिवैल्यूएशन अकाउंट बनाया गया है।	बोध खाता तैयार किया जाता है।
खातों की किताबें	खातों की पुस्तकें बंद नहीं हैं	बही खाते बंद हैं।

नीचे दिए गए बिंदु विभिन्न आधारों पर साझेदारी के विघटन और फर्म के विघटन के बीच का अंतर बताते हैं:

1. साझेदारी के विघटन को साझेदार और फर्म के अन्य भागीदारों के बीच संबंध के टूटने के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। दूसरी ओर, किसी फर्म के विघटन का उपयोग सभी साझेदारों के बीच संबंध सहित पूरी फर्म को बंद करने के लिए किया जाता है।
2. साझेदारी का विघटन प्रकृति में स्वैच्छिक है, क्योंकि यह आपसी समझौते से भंग होता है। इसके विपरीत, एक फर्म को स्वेच्छा से या अनिवार्य रूप से भंग कर दिया जाता है।
3. साझेदारी के विघटन से व्यवसाय बंद नहीं होता है, और इसलिए इसे शेष भागीदारों द्वारा पहले की तरह किया जाता है। इसके विपरीत, फर्म के विघटन के साथ, फर्म द्वारा किया गया व्यवसाय भी समाप्त हो जाता है।
4. साझेदारी के विघटन के मामले में, भागीदारों के बीच आर्थिक संबंध मौजूद है लेकिन बदले हुए रूप में। इसके विपरीत, फर्म के विघटन में, भागीदारों के बीच आर्थिक संबंध मौजूद नहीं रहता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

5. जब साझेदारी का विघटन होता है, तो संपत्ति और पुनर्मूल्यांकन देनदारियों को फिर से भरने के लिए पुनर्मूल्यांकन खाता तैयार किया जाता है। इसके विपरीत, फर्म का विघटन होने पर प्राप्ति खाता तैयार किया जाता है।
6. साझेदारी के विघटन में खातों की फर्म की किताबें बंद नहीं होती हैं, लेकिन फर्म के विघटन में, भागीदार के खाते को बंद करने के साथ फर्म की किताबें बंद हो जाती हैं।

उदाहरण

- मान लीजिए कि ए, बी, सी एक फर्म, बी रिटायर में भागीदार हैं, और ए और सी एक नए लाभ साझाकरण अनुपात के साथ साझेदारी जारी रखने का निर्णय लेते हैं। इस मामले में, बी और ए, सी के बीच साझेदारी का विघटन है।
- मान लीजिए कि A, B, C एक फर्म में भागीदार हैं, एक विशेष रसायन बेचने के व्यवसाय में लगे हुए हैं, उसके बाद, एक कानून पारित किया गया है जिसमें उस विशेष रसायन की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस मामले में, व्यवसाय अवैध हो जाता है, और फर्म भंग हो जाता है।

निष्कर्ष

द्वारा और बड़े पैमाने पर, साझेदारी के परिणाम में विघटन, भागीदारों के बीच पुराने समझौते का अंत और नए समझौते के साथ इसका प्रतिस्थापन। कोई भौतिक निपटान नहीं होता है। दूसरी तरफ, फर्म के विघटन में परिसंपत्तियों का निपटान किया जाता है और देनदारियों का निपटान किया जाता है।

खातों का निपटारा

फर्म का विघटन होने पर, फर्म अपना व्यवसाय बंद कर देती है और खातों का निर्धारण कर दिया जाता है। इसके लिए फर्म अपनी परिसंपत्तियों का निपटारा, अपने विरुद्ध सभी दायित्वों का भुगतान कर देती है। इस संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि साझेदारों के मध्य समझौते के आधार पर साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 48 के अनुसार निम्न नियम लागू होंगे:

(अ) हानियों का व्यवहार

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

हानि, पूँजी में कमी सहित देय होंगेः

- प्रथम लाभ में से;
- इसके पश्चात साझेदारों की पूँजी में से; तथा
- अंततः यदि आवश्यक हो तो साझेदारों द्वारा अपने लाभ-विभाजन अनुपात में व्यक्तिगत रूप में।

(ब) परिसंपत्तियों का उपयोग

फर्म की परिसंपत्तियाँ, साझेदारों द्वारा पूँजी में कमी को पूरा करने के लिए किए गए अंशदान सहित निम्न प्रकार तथा क्रम से प्रयुक्त होगाः

- फर्म के ऋण का अन्य पक्षों को भुगतान;
- साझेदारों द्वारा फर्म को दिए गए अग्रिम जो कि पूँजी से भिन्न है (उदाहरणार्थ साझेदार से ऋण) को प्रत्येक साझेदार को आनुपातिक भुगतान करेगा;
- पूँजी खाते में जो साझेदारों को देय हैं, प्रत्येक साझेदार का आनुपातिक भुगतान होगा; तथा
- शेष राशि यदि कोई है, सभी साझेदारों में उनके लाभ विभाजन अनुपात में विभाजित होगी।

इस तरह परिसंपत्तियों से वसूल राशि, साझेदारों से अंशदान के साथ यदि आवश्यक हो तो, इसका उपयोग सर्वप्रथम फर्म के बाह्य दायित्वों के भुगतान जैसे लेनदार, ऋण, बैंक अधिविकर्ष, देय-विपत्र आदि के लिए किया जाएगा। (यह ध्यान रहे कि सुरक्षित ऋण का भुगतान असुरक्षित ऋण से पहले होगा) शेष राशि का उपयोग साझेदारों द्वारा फर्म को दिए गए ऋण तथा अग्रिम के भुगतान के लिए होगा (यदि शेष राशि अपर्याप्त हो तो ऋण का भुगतान अनुपातिक रूप से होगा)और बची हुई राशि का उपयोग पूँजी खातों के शेष के निपटान के लिए किया जाएगा। यदि अतिरिक्त राशि बचती है तो इसे लाभ विभाजन अनुपात में साझेदारों के मध्य बाँटा जाएगा।

व्यक्तिगत ऋण तथा फर्म के ऋणः जब साझेदारों के व्यक्तिगत ऋण तथा फर्म के ऋण साथ-साथ होते हैं वहाँ अधिनियम की धारा 49 के निम्न नियम लागू होंगेः

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(अ) फर्म की परिसंपत्तियों का प्रयोग सर्वप्रथम फर्म के ऋणों के भुगतान के लिए किया जाएगा तथा अधिक्य राशि, यदि कोई हो तो, साझेदारों में उनके दावों के अनुसार विभाजित होगी जिसका उपयोग अनेक निजी दायित्वों के भुगतान के लिए किया जाएगा।

(ब) साझेदार की निजी परिसंपत्तियों का उपयोग सर्वप्रथम उसके निजी ऋणों के भुगतान के लिए किया जाएगा तथा शेष राशि यदि कोई है तो उसका उपयोग फर्म के ऋणों के भुगतान के लिए उस स्थिति में होगा यदि फर्म के दायित्व फर्म की परिसंपत्तियों से अधिक है।

यह ध्यान रहे कि साझेदारों की निजी परिसंपत्तियों में उसकी पत्नी और बच्चों की निजी परिसंपत्तियों को शामिल नहीं किया जाएगा। अतः यदि फर्म की परिसंपत्तियाँ फर्म के दायित्वों का भुगतान करने के लिए पर्याप्त नहीं है तो साझेदारों को अपनी निवल निजी परिसंपत्तियो (निजी परिसंपत्तियों में से निजी दायित्वों को घटाकर) में अभिदान किया जाएगा।

लेखांकन व्यवहार

जब फर्म का विघटन होता है तो फर्म की पुस्तकें बंद कर दी जाती है और परिसंपत्तियों की वसूली तथा दायित्वो के भुगतान के पश्चात होने वाली हानि या लाभ की गणना की जाती है, जिसके लिए वसूली खाता तैयार किया जाता है। इस खाते के माध्यम द्वारा परिसंपत्तियों से वसूली तथा दायित्वों के भुगतान के पश्चात निवल प्रभाव (लाभ या हानि) का निर्धारण करके साझेदारों के पूँजी खाते में उनके लाभ विभाजन अनुपात में हस्तांतरित किया जाता है इस कारणवश, सभी परिसंपत्तियाँ (हस्तस्थ रोकड़, बैंक शेष तथा काल्पनिक परिसंपत्तियों के अतिरिक्त यदि कोई हो) तथा सभी बाह्य दायित्वों को इस खाते में हस्तांतरित किया जाता है। यह खाता परिसंपत्तियों की बिक्री, दायित्वों का भुगतान तथा वसूली व्ययों का अभिलेखन करता है। इस खाते के शेष को वसूली पर लाभ या हानि कहा जाता है जो कि साझेदारों के पूँजी खाते में इनकी लाभ विभाजन अनुपात मे हस्तांतरित किया जाता है

वसूली खाते का प्रारूप

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वसूली खाता

नाम — जमा

विवरण	राशि (रु.)	विवरण	राशि (रु.)
अमूर्त संपत्ति	xxx	बैंक ऋण	xxx
भूमि व भवन	xxx	विविध लेनदार	xxx
संयंत्र व यंत्र	xxx	देय विपत्र	xxx
फ़र्नीचर व फ़िटिंगस	xxx	बैंक अधिविकर्ष	xxx
अन्य पक्षों को ऋण	xxx	बकाया व्यय	xxx
प्राप्य विपत्र	xxx	संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	xxx
विविध देनदार	xxx	रोकड़/बैंक (परिसंपत्तियों का विक्रय)	xxx
रोकड़/बैंक (दायित्वों का भुगतान)	xxx	साझेदारों के पूँजी खाते	xxx
रोकड़/बैंक	xxx	(साझेदार द्वारा ली गई परिसंपत्ति)	
(गैर-अभिलिखित दायित्वों का भुगतान)		हानि (साझेदारों के पूँजी खाते में हस्तांतरण)	xxx
साझेदारों के पूँजी खाते (साझेदार द्वारा दायित्व का भुगतान)	xxx	निवेश बढ़-घट निधि	xxx
विनियोग	xxx		
लाभ (साझेदारों के पूँजी खातों में लाभ विभाजन अनुपात में हस्तांतरण)	xxx		
योग	**xxxx**	**योग**	**xxxx**

उदाहरण

सुप्रिया और मोनिका साझेदार हैं, उनका लाभ विभाजन अनुपात 3:2 है। 31 मार्च, 2017 को उनका तुलन पत्र इस प्रकार है:

31 मार्च, 2017 को सुप्रिया और मोनिका का तुलन पत्र

दायित्व	राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ		राशि (रु.)
सुप्रिया की पूँजी	32,500	रोकड़ और बैंक		40,500
मोनिका की पूँजी	11,500	स्टॉक		7,500
विविध लेनदार	48,000	विविध देनदार	21,500	
संचय निधि	13,500	*घटाया* : संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	500	21,000
		स्थायी परिसंपत्तियाँ		36,500
	1,05,500			**1,05,500**

31 मार्च, 2017 को फर्म का विघटन हुआ। निम्न सूचनाओं से फर्म की पुस्तकों को बंद करें:

(i) देनदारों से 5 प्रतिशत छूट पर वसूली हुई।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(ii) स्टॉक से वसूली 7,000 रु. पर की गई।

(iii) स्थायी परिसंपत्तियों से वसूली 42,000 रु. प्राप्त हुए।

(iv) वसूली व्यय 1,500 रु.।

(v) लेनदारों को पूर्ण भुगतान किया गया।

आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

हल

सुप्रिया और मोनिका की पुस्तकें

वसूली खाता

तिथि 2017	विवरण	ब.पृ. सं	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
मार्च, 31	वसूली खाता नाम		65,000	
	रहतिया खाते से			7,500
	देनदार खाते से			21,500
	स्थिर परिसंपत्ति खाते से			36,500
	(परिसंपत्तियाँ का वसूली खाते में हस्तांतरण)			
मार्च, 31	लेनदार खाता नाम		48,000	
	संदिग्ध ऋण का प्रावधान नाम		500	
	वसूली खाते से			48,500
	(देनदारियों का वसूली खाते में हस्तांतरण)			
मार्च, 31	बैंक खाता नाम		69,425	
	वसूली खाते से			69,425
	(परिसंपत्तियों की वसूली)			
मार्च, 31	वसूली खाता नाम		49,500	
	बैंक खाते से			49,500
	(लेनदारों और वसूली व्ययों का भुगतान)			
मार्च, 31	वसूली खाता नाम		2,925	
	सुप्रिया के पूँजी खाते से			1,755
	मोनिका के पूँजी खाते से			1,170
	(वसूली पर लाभ का पूँजी खातों में हस्तांतरण)			
मार्च, 31	सामान्य संचय खाता नाम		13,500	
	सुप्रिया के पूँजी खाते से			8,100
	मोनिका के पूँजी खाते से			5,400
	(वसूली पर लाभ का पूँजी खातों में हस्तांतरित)			
मार्च, 31	सुप्रिया का पूँजी खाता नाम		42,355	
	मोनिका का पूँजी खाता नाम		18,070	
	बैंक खाते से			60,425
	(साझेदारों को अंतिम भुगतान)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

रोज़नामचा प्रविष्टियाँ

1. परिसंपत्तियों के हस्तांतरण पर

रोकड़, बैंक और अवास्तविक परिसंपत्तियों के अतिरिक्त सभी परिसंपत्तियों के खाते पुस्तक मूल्य पर वसूली खाते के नाम पक्ष में हस्तांतरित किए जाते हैं। ध्यान देने योग्य है कि विविध देनदारों को सकल मूल्य पर हस्तांतरित किया जाता है और डूबत व संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान को दायित्वों के साथ वसूली खाते के जमा पक्ष में हस्तांतरित किया जाता है। यही प्रक्रिया स्थायी परिसंपत्तियों पर लागू होगी यदि ह्रास के लिए प्रावधान खाता बनाया गया हो।

वसूली खाता नाम

परिसंपत्तियाँ (व्यक्तिगत तौर पर) खाते से

2. दायित्वों के हस्तांतरण पर

प्रावधान सहित सभी बाह्य दायित्वों, जिन्हें वसूली खाते के जमा पक्ष में हस्तांतरित करके बंद किया जाता है।

दायित्व (व्यक्तिगत आधार पर) नाम] समान राशि से
वसूली खाते से

3. *परिसंपत्तियों की बिक्री पर*

बैंक खाता नाम] परिसंपत्ति के अधिकरण राशि से
वसूली खाते से

4. साझेदार द्वारा ली गई परिसंपत्तियों के लिए

साझेदार का पूँजी खाता नाम] निपटान की राशि से
वसूली खाते से

5. दायित्वों के भुगतान करने पर

वसूली खाता नाम

बैंक खाते से

6. साझेदार द्वारा दायित्वों का भुगतान करने का उत्तरदायित्व लेने पर

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वसूली खाता नाम

साझेदार के पूँजी खाते से

7. परिसंपतियों के हस्तांतरण द्वारा लेनदारों का भुगतान जब लेनदार पूर्ण रूप से अपने खाते का भुगतान प्राप्त करने के लिए परिसंपत्ति को स्वीकार करता है तो कोई रोज़नामचा प्रविष्टि नहीं की जाती है, परंतु यदि लेनदार आंशिक रूप में परिसंपत्ति को स्वीकार करता है तब केवल रोकड़ भुगतान की प्रविष्टि की जाएगी। उदाहरणार्थ एक लेनदार जिसे 10,000 रुपये देय है, 8,000 रुपये के कार्यालय उपकरण तथा 2,000 रुपये रोकड़ का भुगतान स्वीकार कर लेता है तो केवल रोकड़ भुगतान के लिए निम्न प्रविष्टि की जाएगी।

वसूली खाता नाम

बैंक खाते से

हालाँकि जब लेनदार ने परिसंपत्ति स्वीकार कर ली है, जिसका मूल्य देय राशि से अधिक है तो वह अंतर की राशि का फर्म को भुगतान करेगा। इसकी प्रविष्टि इस प्रकार होगी:

बैंक खाता नाम

वसूली खाते से

8. वसूली व्यय के भुगतान पर

(अ) जब परिसंपत्तियों की वसूली और दायित्वों के भुगतान की प्रक्रिया में कुछ व्ययों का भुगतान फर्म द्वारा किया जाता है:

वसूली खाता नाम

बैंक खाते से

(ब) जब फर्म की ओर से वसूली व्ययों का भुगतान एक साझेदार के द्वारा किया गया है:

वसूली खाता नाम

साझेदार के पूँजी खाते से

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(स) जब एक साझेदार किसी स्वीकृत पारितोषिक पर विघटन कार्य से संबंधित व्ययों को वहन करने के लिए सहमत होता है:

(i) जब फर्म द्वारा वसूली व्यय दिया जाता है

साझेदार का पूँजी खाता नाम

बैंक खाते से

(ii) यदि साझेदार वसूली व्यय का स्वंय भुगतान करता है तब कोई प्रविष्टि आवश्यक नहीं है।

नोट: सूचना के अभाव में यह माना जाता है कि व्ययों का निपटान उसी साझेदार ने किया जिसने व्ययों को वहन करने की ज़िम्मेदारी ली है।

9. साझेदार को पारितोषिक देने पर

वसूली खाता नाम

साझेदार के पूँजी खाते से

10. किसी भी ख्याति सहित गैर अभिलेखित परिसंपत्तियों की वसूली पर

बैंक खाता नाम

वसूली खाते से

11. गैर-अभिलेखित दायित्वों के भुगतान पर

वसूली खाता नाम

बैंक खाते से

साझेदार को फर्म द्वारा ऋण का निपटारा

बैंक खाता नाम

साझेदार के ऋण से

12. वसूली पर लाभ हानि का हस्तांतरण करने पर:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(अ) वसूली पर लाभ होने पर

वसूली खाता नाम

साझेदार के पूँजी खाते से (व्यक्तिगत आधार पर)

(ब) वसूली पर हानि होने पर

साझेदार का पूँजी खाता (व्यक्तिगत आधार पर) नाम

वसूली खाते से

(स) साझेदार को फर्म द्वारा ऋण का निपटान

बैंक खाता नाम

साझेदार के ऋण खाते से

13. संचित लाभों का हस्तांतरण करने पर जो कि संचय कोष या सामान्य संचय के रूप में है:

संचय निधि/सामान्य संचय खाता नाम

साझेदार के पूँजी खाते से (व्यक्तिगत आधार पर)

14. आभासी परिसंपत्तियों को साझेदारों के पूँजी खाते में उनके लाभ विभाजन अनुपात में हस्तांतरित करने पर:

साझेदार का पूँजी खाता (व्यक्तिगत आधार पर) नाम

आभासी परिसंपत्ति खाते से

15. साझेदार से लिए गए ऋणों के भुगतान पर:

साझेदार का ऋण खाता नाम

बैंक खाते से

16. साझेदारों के खातों के भुगतान पर:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

यदि साझेदार का पूँजी खाता नाम शेष दर्शाता है तथा वह आवश्यक रोकड़ लाता है तो ऐसी स्थिति में प्रविष्टि इस प्रकार होगी:

बैंक खाता नाम

साझेदार के पूँजी खाते से

जब साझेदार का खाता जमा शेष दर्शाए और राशि का भुगतान कर दिया जाए तब निम्न प्रविष्टि अभिलेखित की जाएगी

साझेदार का पूँजी खाता (व्यक्तिगत आधार पर) नाम

बैंक खाते से

यह ध्यान रहे कि वह कुल राशि जो साझेदारों को अंततः देय है बैंक में उपलब्ध रकम और रोकड़ खाते के बराबर होनी चाहिए। अतः विघटन क्रिया पूर्ण होने पर फर्म के सभी खाते स्वतः बंद हो जाते हैं।

उदाहरण

सीता, रीटा और मीता साझेदार हैं। उनका लाभ व हानि विभाजन अनुपात 2 : 2 : 1 है। 31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र इस प्रकार है

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र

दायित्व		*राशि* (रु.)	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि* (रु.)
सामान्य संचय		2,500	बैंक में रोकड़	2,500
लेनदार		2,000	स्टॉक	2,500
पूँजी:			फ़र्नीचर	1,000
सीता	5,000		देनदार	2,000
रीटा	2,000		संयंत्र व मशीनरी	4,500
मीता	1,000	8,000		
		12,500		**12,500**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वे फर्म के विघटन का फ़ैसला करते हैं। निम्न राशि वसूल हुई : संयंत्र व यंत्र 4,250 रुपये, स्टॉक 3,500 रुपये, देनदार 1,850 रुपये तथा फ़र्नीचर 750 रुपये।

सीता सभी वसूली व्यय करने के लिए सहमत हुई। इस कार्य के लिए सीता को 60 रुपये का भुगतान किया गया।

वसूली व्यय की वास्तविक राशि 450 रुपये है जिसे फर्म द्वारा दिया गया है। लेनदारों को 2 प्रतिशत कम भुगतान हुआ। 250 रुपये की परिसंपत्ति का लेखा पुस्तकों में नहीं है, जो कि रीटा द्वारा 200 रुपये मे ली गई।

फर्म की पुस्तकों को बंद करते हुए आवश्यक खाते तैयार करें।

हल

सीता, रीटा व मीता की पुस्तकें
वसूली खाता

नाम *जमा*

विवरण		*राशि (रु.)*	*विवरण*		*राशि (रु.)*
स्टॉक		2,500	लेनदार		2,000
फ़र्नीचर		1,000	रीटा की पूँजी		200
देनदार		2,000	(अलिखित परिसंपत्ति)		
संयंत्र व यंत्र		4,500	बैंक (परिसंपत्तियों से वसूली)		
बैंक (लेनदार)		1,960	संयंत्र व यंत्र	4,250	
सीता की पूँजी (वसूली व्यय)		60	देनदार	1,850	
लाभ का हस्तांतरण:			स्टॉक	3,500	
सीता की पूँजी	212		फ़र्नीचर	750	10,350
रीटा की पूँजी	212				
मीता की पूँजी	106	530			
		12,550			**12,550**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

साझेदारों के पूँजी खाते

नाम जमा

तिथि 2017	विवरण	रो.पृ. सं.	सीता (रु.)	रीटा (रु.)	मीता (रु.)	तिथि 2017	विवरण	रो.पृ. सं.	सीता (रु.)	रीटा (रु.)	मीता (रु.)
मार्च 31	बैंक		450	–	–	मार्च 31	शेष आ/ला		5,000	2,000	1,000
	वसूली (परिसंपत्तियाँ)		–	200	–		संचय निधि		1,000	1,000	500
	बैंक		5,822	3,012	1,606		वसूली(लाभ)		212	212	106
							वसूली (व्यय)		60	–	–
			6,272	**3,212**	**1,606**				**6,272**	**3,212**	**1,606**

बैंक खाता

नाम जमा

तिथि 2017	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि 2017	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)
मार्च 31	शेष आ/ला		2,500	मार्च 31	वसूली (लेनदार)		1,960
	वसूली(परिसंपत्तियों से वसूली)		10,350		सीता की पूँजी(व्यय)		450
					सीता की पूँजी		5,822
					रीता की पूँजी		3,012
					मीता की पूँजी		1,606
			12,850				**12,850**

उदाहरण

विभा, शोभा और अनुभा की साझेदारी फर्म के विघटन पर रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें :

- विघटन व्यय 6,500 रु.
- अनुभा ने 7,800 के विघटन व्ययों का भुगतान किया
- विभा की नियुक्ति विघटन प्रक्रिया को सुचारू रूप से करने के लिए 12,000 का भुगतान तय हुआ।
- शोभा की नियुक्ति विघटन कार्यों को पूरा करने के लिए की गई जिसके लिए उसे 15,000 रु. का भुगतान तय हुआ। शोभा ने समस्त विघटन व्ययों को वहन करने की स्वीकृति भी दी। उसके द्वारा 11,800 रु. के वास्तविक व्ययों का भुगतान किया गया।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- अनुभा को विघटन प्रक्रिया की देखरेख के लिए 12,000 का भुगतान तय किया गया। अनुभा ने विघटन व्ययों के निपटान की ज़िम्मेदारी ली। 9,500 रु. के वास्तविक व्ययों का भुगतान फर्म द्वारा किया गया।
- अनुभा ने विघटन कार्यों के निपटान के लिए 8,500 रु. का परितोषक स्वीकार किया और 6,000 रु. तक के व्ययों के वहन की ज़िम्मेदारी ली। उसके द्वारा भुगतान किये गए वास्तविक व्यय की राशि 7,600 रु. है।
- विभा की नियुक्ति 14,000 रु. के भुगतान पर विघटन कार्यों के निपटान के लिए गई। उसने इस परितोषक भुगतान के लिए 13,000 रु. के विनियोग स्वीकार किये। इन विनियोगों को वसूली खाते में हस्तांतरित कर दिया गया है।

विभा, शोभा और अनुभा की पुस्तकें

रोज़नामचा

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
(i)	वसूली खाता नाम रोकड़/बैंक खाते से (वसूली व्ययों का फर्म द्वारा भुगतान)		6,500	6,500
(ii)	वसूली खाता नाम अनुभा के पूँजी खाते (वसूली व्ययों का फर्म द्वारा भुगतान)		7,800	7,800
(iii)	वसूली खाता नाम विभा के पूँजी खाते (विभा का भुगतान)		12,000	12,000
(iv)	वसूली खाता नाम शोभा के पूँजी खाते (शोभा का भुगतान)		15,000	15,000
(v)	(अ) वसूली खाता नाम अनुभा के पूँजी खाते (अनुभा का भुगतान)		12,000	12,000
	(ब) अनुभा का पूँजी खाता नाम रोकड़/बैंक खाते से (विघटन व्ययों का फर्म द्वारा भुगतान)		9,500	9,500
(vi)	(अ) वसूली खाता नाम अनुभा के पूँजी खाते (अनुभा का भुगतान)		8,500	8,500
	(ब) वसूली खाता नाम अनुभा के पूँजी खाते से (फर्म की ओर से अनुभा ने व्ययों का भुगतान किया)		1,600	1,600
(vii)	कोई प्रविष्टि नहीं			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उदाहरण

1 मार्च, 2017 को अश्वनी और भारत का तुलन पत्र नीचे दिया गया है।

31 मार्च, 2017 को अश्वनी और भारत का तुलन पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि (रु.)*
लेनदार		76,000	बैंक में रोकड़		17,000
श्रीमती अश्वनी का ऋण		10,000	स्टॉक		10,000
श्रीमती भारत का ऋण		20,000	विनियोग		20,000
विनियोग घट-बढ़ संचय		2,000	देनदार	40,000	
सामान्य संचय		20,000	*घटाया* : संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	(4,000)	36,000
पूँजी:					
अश्वनी	20,000		भवन		70,000
भारत	20,000	40,000	ख्याति		15,000
		1,68,000			**1,68,000**

इस तिथि को फर्म का विघटन हुआ तथा निम्न व्यवहारों के लिए सहमती हुई:

1. अश्वनी ने अपनी पत्नी का ऋण चुकाने का फ़ैसला लिया और स्टॉक का 8,000 रुपये में अधिग्रहण किया।
2. भारत ने आधे विनियोग को 10% कम पर लिया। देनदारों से 38,000 रुपये की वसूली हुई। लेनदारों को 380 रुपये कम भुगतान किया गया। भवन से 1,30,000 रुपये, ख्याति से 12,000 रुपये वसूल हुए और शेष विनियोग को 9,000 रुपये में बेचा गया। एक पुराना टाइपराइटर जिसका पुस्तकों में अभिलेखन नहीं था भारत द्वारा 600 रुपये में लिया गया। वसूली व्यय 2,000 रुपये हुआ।

वसूली खाता, साझेदारों के पूँजी खाते व बैंक खाता तैयार कीजिए।

हल

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अश्वनी व भारत की पुस्तकें
वसूली खाता

नाम *जमा*

विवरण		*राशि (रु.)*	*विवरण*		*राशि (रु.)*
विनियोग	20,000		संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान		4,000
देनदार	40,000		लेनदार		76,000
भवन	70,000		श्रीमति अश्वनी का ऋण		10,000
स्टॉक	10,000		श्रीमति भारत का ऋण		20,000
ख्याति	15,000	1,55,000	विनियोग घट-बढ़ संचय		2,000
			अश्वनी की पूँजी (स्टॉक)		8,000
अश्वनी की पूँजी		10,000	भारत की पूँजी (टाईपराईटर)		600
(श्रीमती अश्वनी का ऋण)			भारत की पूँजी (विनियोग)		9,000
बैंक (श्रीमती भारत का ऋण)		20,000	बैंक		
बैंक (लेनदार)		75,620	विनियोग	9,000	
बैंक (वसूली व्यय)		2,000	देनदार	38,000	
लाभ का हस्तांतरण :			भवन	1,30,000	
अश्वनी की पूँजी	27,990		ख्याति	12,000	1,89,000
भारत की पूँजी	27,990	55,980			
		3,18,600			**3,18,600**

साझेदारों के पूँजी खाते

नाम *जमा*

तिथि 2017	*विवरण*	*रो. पृ.सं.*	*अश्वनी (रु.)*	*भारत (रु.)*	*तिथि 2017*	*विवरण*	*रो. पृ.सं.*	*अश्वनी (रु.)*	*भारत (रु.)*
	वसूली (स्टॉक)		8,000	–		शेष आ/ला		20,000	20,000
	वसूली (टाइपराइटर का विक्रय)			600		सामान्य संचय		10,000	10,000
						वसूली (श्रीमती अश्वनी का ऋण)		10,000	
	वसूली (विनियोग)			9,000		वसूली (लाभ)		27,990	27,990
	बैंक		59,990	48,390					
			67,990	**57,990**				**67,990**	**57,990**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

बैंक खाता

नाम जमा

तिथि 2017	विवरण	रो.पृ. सं	राशि (रु.)	तिथि 2017	विवरण	रो.पृ. सं	राशि (रु.)
	शेष आ/ला		17,000		वसूली (लेनदार)		75,620
	वसूली		1,89,000		वसूली (व्यय)		2,000
					वसूली (श्रीमती भारत का ऋण)		20,000
					अश्वनी की पूँजी		59,990
					भारत की पूँजी		48,390
			2,06,000				**2,06,000**

उदाहरण

सोनू और आशू लाभ का 3:1 में विभाजन करते हैं तथा वे फर्म के विघटन के लिए सहमत हैं। 31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र नीचे दिया गया है:

31 मार्च, 2017 को सोनू और आशू का तुलन पत्र

नाम जमा

दायित्व		राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ	राशि (रु.)
ऋण		12,000	हस्तस्थ रोकड़	15,000
लेनदार		18,000	स्टॉक	45,000
पूँजी:			फ़र्नीचर	16,000
सोनू	1,10,000		देनदार	70,000
आशू	68,000	1,78,000	संयंत्र व यंत्र	52,000
			आशू का ऋण	10,000
		2,08,000		**2,08,000**

सोनू ने संयंत्र व यंत्र 60,000 रुपये के सहमती मूल्य पर लिया। स्टॉक और फ़र्नीचर के क्रमशः 42,000 रुपये व 13,900 रुपये में बेचा गया। देनदारों को आशू ने 69,000 रुपये में लिया। लेनदारों का 900 रुपये की छूट पर भुगतान किया गया। वसूली व्यय 1,600 रुपये हुए।

वसूली खाता, बैंक खाता व साझेदारों के पूँजी खाते तैयार करें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

हल

सोनू और आशु की पुस्तकें
वसूली खाता

नाम *जमा*

विवरण		*राशि (रु.)*	*विवरण*		*राशि (रु.)*
स्टॉक		45,000	ऋण		12,000
फ़र्नीचर		16,000	लेनदार		18,000
देनदार		70,000	सोनू की पूँजी (संयंत्र व यंत्र)		60,000
संयंत्र व यंत्र		52,000	आशू की पूँजी (देनदार)		69,000
बैंक (लेनदार)		17,100	बैंक :		
सोनू की पूँजी (ऋण)		12,000	स्टॉक	42,000	
बैंक (वसूली व्यय)		1,600	फ़र्नीचर	13,900	55,900
लाभ का हस्तांतरण					
सोनू की पूँजी	900				
आशू की पूँजी	300	1,200			
		2,14,900			**2,14,900**

साझेदारों के पूँजी खाते

नाम *जमा*

तिथि 2017	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*सोनू (रु.)*	*आशू (रु.)*	*तिथि 2017*	*विवरण*	*रो.पृ. सं.*	*सोनू (रु.)*	*आशू (रु.)*
	वसूली (संयंत्र व यंत्र)		60,000			शेष आ/ला		1,10,000	68,000
	वसूली (देनदार)			69,000		वसूली (ऋण)		12,000	
	बैंक		62,900			वसूली (लाभ)		900	300
						बैंक			700
			1,22,900	**69,000**				**1,22,900**	**69,000**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

बैंक खाता

नाम जमा

तिथि 2017	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि 2017	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)
	शेष आ/ला		15,000		वसूली (लेनदार)		17,100
	वसूली		55,900		वसूली (व्यय)		1,600
	(परिसंपत्तियों से वसूली)				सोनू की पूँजी		62,900
	आशू का ऋण		10,000		सोनू की पूँजी		62,900
	आशू की पूँजी		700				
			81,600				**81,600**

उदाहरण

अंजू, मंजू और संजू लाभ व हानि विभाजन 3:1:1 अनुपात में करते हैं और फर्म को विघटित करने का निर्णय लेते है। 31 मार्च, 2017 को उनकी स्थिति इस प्रकार है :

31 मार्च, 2017 को अंजू, मंजू, और संजू का तुलन पत्र

दायित्व		राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ		राशि (रु.)
लेनदार		60,000	बैंकस्थ रोकड़		55,000
ऋण		15,000	स्टॉक		83,000
पूँजी :			फ़र्नीचर		12,000
अंजू	2,75,000		देनदार	2,42,000	
मंजू	1,10,000		*घटाया:* संदिग्ध ऋणों	(12,000)	2,30,000
संजू	1,00,000	4,85,000	के लिए प्रावधान		
मंजू का ऋण		20,000	भवन		2,00,000
		5,80,000			**5,80,000**

अतिरिक्त सूचनाएँ

1. अंजू ने फ़र्नीचर को 10,000 रुपये में और 2,00,000 रुपये के देनदार 1,85,000 में लिए। अंजू लेनदारों को भुगतान करने के लिए सहमत हुई।

2. मंजू ने स्टॉक को पुस्तक मूल्य पर और भवन को पुस्तक मूल्य से 10 प्रतिशत कम पर लिया।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. संजू ने शेष देनदारों को पुस्तक मूल्य के 80 प्रतिशत पर लिया और ऋण का भुगतान करने का उत्तरदायित्व लिया।

4. फर्म के विघटन की व्यय राशि 2,200 रुपये है।

वसूली खाता, बैंक खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तैयार करें।

हल

अंजू, मंजू और संजू की पुस्तकें
वसूली खाता

नाम *जमा*

विवरण		*राशि (रु.)*	*विवरण*		*राशि (रु.)*
स्टॉक	83,000		संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान		12,000
फ़र्नीचर	12,000		लेनदार		60,000
देनदार	2,42,000		ऋण		15,000
भवन	2,00,000	5,37,000	अंजू की पूँजी:		
अंजू की पूँजी (लेनदार)		60,000	फ़र्नीचर	10,000	
संजू की पूँजी (ऋण)		15,000	देनदार	185,000	1,95,000
बैंक (वसूली व्यय)		2,200	मंजू की पूँजी:		
			स्टॉक	83,000	
			भवन	1,80,000	2,63,000
			संजू की पूँजी:		33,600
			(शेष देनदार पुस्तक मूल्य से 20% कम)		
			हानि का हस्तांतरण:		
			अंजू की पूँजी	21,360	
			मंजू की पूँजी	7,120	
			संजू की पूँजी	7,120	35,600
		6,14,200			**6,14,240**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

साझेदारों के पूँजी खाते

नाम — जमा

तिथि 2017	विवरण	रो.पृ. सं.	संजू (रु.)	अंजू (रु.)	मंजू (रु.)	तिथि 2017	विवरण	रो.पृ. सं.	अंजू (रु.)	मंजू (रु.)	संजू (रु.)
	वसूली (परिसंपत्तियाँ)		1,95,000	2,63,000	33,600		शेष आ/ला		2,75,000	1,10,000	1,00,000
	वसूली (हानि)		21,360	7,120	7,120		वसूली (लेनदार)		60,000		
	बैंक		1,18,640		74,280		वसूली (ऋण)				15,000
							मंजू का ऋण			20,000	
							बैंक			1,40,120	
			3,35,000	**2,70,120**	**1,15,000**				**3,35,000**	**2,70,120**	**1,15,000**

वैकल्पिक रूप से मंजू का ऋण सर्वप्रथम बैंक खाते से दिया जाएगा तद्पश्चात 1,40,120 रु. मंजू के पूँजी खाते के नाम पक्ष में संयोजित होंगे।

बैंक खाता

नाम — जमा

तिथि 2017	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि 2017	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)
	शेष आ/ला		55,000		वसूली (व्यय)		2,200
	मंजू की पूँजी		1,40,120		अंजू की पूँजी		1,18,640
					संजू की पूँजी		74,280
			1,95,120				**1,95,120**

उदाहरण

मीना और टीना फर्म में साझेदार हैं, उनका लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 है। वे फर्म का विघटन करने का निर्णय लेते हैं। 31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र निम्न है:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

31 मार्च, 2017 को मीना और टीना का तुलन पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
पूँजी :			मशीनरी	70,000
मीना	90,000		विनियोग	50,000
टीना	80,000	1,70,000	स्टॉक	22,000
विविध लेनदार		60,000	विविध देनदार	1,03,000
देय विपत्र		20,000	हस्तस्थ रोकड़	5,000
		2,50,000		**2,50,000**

परिसंपत्तियो और दायित्वो का निपटारा इस प्रकार हुआ :

(अ) मशीनरी को लेनदारों के खातों के पूर्ण भुगतान के लिए दिया गया और स्टॉक को देय विपत्र के पूर्ण भुगतान के लिए दिया गया।

(ब) विनियोग को टीना ने पुस्तक मूल्य पर ले लिया। विविध देनदारों को मीना ने पुस्तक मूल्य 50,000 रुपये से 10% कम पर ले लिया और शेष देनदारों से 51,000 रुपये वसूली हुई।

(स) वसूली व्यय की राशि 2,000 रुपये है।

फर्म की पुस्तकों को बंद करने के लिए आवश्यक बही खाते तैयार करें।

हल

मीना और टीना की पुस्तकें
वसूली खाता

नाम *जमा*

विवरण		*राशि (रु.)*	*विवरण*		*राशि (रु.)*
परिसंपत्तियों का हस्तांतरण:			विविध लेनदार		60,000
मशीनरी	70,000		देय विपत्र		20,000
विनियोग	50,000		टीना की पूँजी (विनियोग)		50,000
स्टॉक	22,000		मीना की पूँजी		45,000
विविध देनदार	1,03,000	2,45,000	बैंक :		
बैंक (वसूली व्यय)		2,000	देनदार		51,000
			हानि का हस्तांतरण:		
			मीना की पूँजी	12,600	
			टीना की पूँजी	8,400	21,000
		2,47,000			**2,47,000**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

साझेदारों के पूँजी खाते

नाम जमा

विवरण	मीना (रु.)	टीना (रु.)	विवरण	मीना (रु.)	टीना (रु.)
वसूली (विनियोग)		50,000	शेष आ/ला	90,000	80,000
वसूली (देनदार)	45,000				
वसूली (हानि)	12,600	8,400			
बैंक	32,400	21,600			
	90,000	**80,000**		**90,000**	**80,000**

बैंक खाता

नाम जमा

विवरण	राशि (रु.)	विवरण	राशि (रु.)
शेष आ/ला	5,000	वसूली (व्यय)	2,000
वसूली (परिसंपत्तियाँ)	51,000	मीना की पूँजी	32,400
		टीना की पूँजी	21,600
	56,000		**56,000**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 261 - 270)

लघु उत्तर प्रश्न:

प्रश्न 1 साझेदारी का विघटन और साझेदारी फर्म के विघटन के मध्य अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

साझेदारी के समापन और साझेदारी फर्म के समापन में कोई चार अन्तर लिखिए।

उत्तर –

अन्तर का आधार	साझेदारी का समापन	साझेदारी फर्म का समापन
1. अर्थ में भिन्नता	साझेदारी दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच के लाभ के लिए कानूनी व्यापार के करने का अनुबन्ध है।इस प्रकार अनुबन्ध में किसी भी कारण से परिवर्तन साझेदारी की समाप्ति है।	साझेदारी फर्म के समापन का अर्थ फर्म द्वारा व्यापारिक क्रियाओं की समाप्ति होना है।
2. समापन की स्थितियाँ	किसी साझेदार के प्रवेश करने, अवकाश ग्रहण करने, मृत्यु होने पर, लाभ-हानि अनुपात में परिवर्तन आदि परिस्थितियाँ साझेदारी को समाप्त कर सकती हैं।	साझेदारी फर्म का समापन साझेदार द्वारा अपनी इच्छा से एवं न्यायालय के आदेश पर हो सकता है।
3. व्यवसाय की समाप्ति	व्यवसाय का समापन नहीं होता।	फर्म का व्यवसाय बन्द् हो जाता है।परिसम्पत्तियों का विक्रय किया जाता है तथा दायित्वों का भुगतान किया जाता है।
4. परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों की व्यवस्था	परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन किया ज़ाता है और नया तुलन पत्र/चिट्ठा तैयार किया जाता है।	फर्म का विघटन न्यायालय के आदेश द्वारा भी किया जा सकता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

5. न्यायालय का हस्तक्षेप	न्यायालय का हस्तक्षेप नहीं होता क्योंकि साझेदारी का विघटन आपसी समझौते के द्वारा होता है।	साझेदारों के आर्थिक सम्बन्ध समाप्त हो जाते हैं।
6. आर्थिक सम्बन्धों में परिवर्तन	साझेदारों के मध्यं आर्थिक सम्बन्ध जारी रहते हैं किन्तु परिवर्तित रूप में।	फर्म की समाप्ति होने से बहियों को बन्द् कर दिया जाता है।
7. पुस्तकों का बन्द होना	व्यवसाय के समाप्त न होने के कारण बहियों को बन्द करने की आवश्यकता नहीं होती।	साझेदारी फर्म के समापन का अर्थ फर्म द्वारा व्यापारिक क्रियाओं की समाप्ति होना है।

प्रश्न 2 लेखा व्यवहार कीजिए:

(i) गैर - अभिलेखित परिसम्पत्तियाँ

(ii) गैर - अभिलेखित दायित्व।

उत्तर –

(i) गैर - अभिलेखित परिसम्पत्तियाँ (Unrecorded Assets): ये भी फर्म की सम्पत्तियाँ होती हैं लेकिन ये बहियों में दर्ज की हुई नहीं होती हैं।गैर - अभिलेखित परिसम्पत्तियों का लेखा व्यवहार निम्न प्रकार होगा

(a) गैर - अभिलेखित सम्पत्तियों को नकद बेचे जाने पर:

Partner's Capital A/c		Dr.
To Realisation A/c		
(Unrecorded assets taken over by the partner)		

(b) गैर - अभिलेखित सम्पत्तियों को किसी साझेदार द्वारा लिये जाने पर:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Realisation A/c		Dr.
To Bank/Cash A/c		
(Unrecorded liabilities paid off)		

(ii) गैर - अभिलेखित दायित्व (Unrecorded Liabilities):

ये फर्म के वे दायित्व होते हैं जिनका लेखा बहियों में किया हुआ नहीं होता है।गैर-अभिलेखित दायित्वों का लेखा व्यवहार निम्न प्रकार होगा:

(a) गैर - अभिलेखित दायित्वों का नकद भुगतान करने पर:

Realisation A/c		Dr.
To Bank/Cash A/c		
(Unrecorded liabilities paid off)		

(b) गैर - अभिलेखित दायित्व को किसी साझेदार द्वारा लिये जाने पर:

Realisation A/c		Dr.
To Partner's Capital A/c		
(Unrecorded liability taken over by the partner)		

प्रश्न 3 विघटन के समय आप साझेदार के ऋण का किस प्रकार व्यवहार करेंगे यदि यह:

(i) तुलन पत्र के परिसम्पत्ति पक्ष की ओर दर्शाया गया है।

(ii) तुलन पत्र के दायित्व पक्ष की ओर दर्शाया गया है।

उत्तर – (i) यदि साझेदार का ऋण तुलन पत्र के परिसम्पत्ति पक्ष की ओर दर्शाया गया हो-इसका आशय यह है कि साझेदार ने फर्म से ऋण लिया है और वह फर्म को इसे वापस चुकाने को उत्तरदायी है।इस स्थिति में उससे ऋण की राशि नकद प्राप्त की जायेगी।इसके लिए अग्र प्रविष्टि होगी

Cash/Bank A/c		Dr.
To Partner's Loan A/c		
(Cash received against partner's loan a/c)		

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

व्यवहार में उक्त प्रविष्टि की जगह साझेदार के ऋण खाते को उसके पूँजी खाते में हस्तान्तरित किया जाता है।इसके लिए निम्न प्रविष्टि की जाती है:

Partner's Capital A/c	Dr.	
To Partner's Loan A/c		
(Partner's loan a/c transferred to partner's capital A/c)		

(ii) यदि साझेदार का ऋण तुलन पत्र के दायित्व पक्ष की ओर दर्शाया गया हो इसका आशय है कि साझेदार ने फर्म को ऋण दिया है और फर्म उसे ऋण राशि चुकाने के लिए उत्तरदायी है।इस स्थिति में सभी बाह्य ऋणों को चुकाने के बाद साझेदार के ऋण को चुकाया जायेगा।इसके लिए निम्न प्रविष्टि की जायेगी।

Partner's Loan A/c	Dr.	
To Cash/Bank A/c		
(Partner's loan paid off)		

प्रश्न 4 फर्म के ऋण और साझेदारों के व्यक्तिगत ऋणों के मध्य अन्तर समझाइए।

उत्तर –

अन्तर का आधार (Basis of Distinction)	फर्म के ऋण (Firm's Debts)	साझेदारों के व्यक्तिगत ऋण (Partner's Private Debts)
अर्थ	फर्म के ऋणों से आशय उन ऋणों से है जो फर्म द्वारा बाह्य पक्षकारों को भुगतान करने हैं।	निजी ऋणों से आशय उन ऋणों से है जो किसी साझेदार को व्यक्तिगत रूप से भुगतान करने हैं।
चुकाने का दायित्व	फर्म के ऋणों के लिए सभी साझेदार संयुक्त रूप से तथा व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होते हैं।	निजी ऋण के लिए केवल वही साझेदार जिम्मेदार होता है जिसने ऋण लिया होता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

निपटारे में फर्म की सम्पत्ति का प्रयोग	फर्म की सम्पत्ति का प्रयोग सर्वप्रथम	यदि फर्म की सम्पत्तियाँ फर्म के दायित्वों से अधिक हैं तो सम्बन्धित साझेदार के उस आधिक्य में हिस्से को उसके निजी ऋण चुकाने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
निपटारे में निजी सम्पत्ति का प्रयोग	फर्म के ऋण चुकाने के लिए किया जाता है।	निजी सम्पत्ति का प्रयोग सर्वप्रथम निजी ऋण चुकाने के लिए किया जाता है।

प्रश्न 5 विघटन पर खातों के भुगतान का क्रम लिखें।

उत्तर – फर्म के विघटन के समय हिसाब के निपटारे एवं भुगतान के क्रम के सम्बन्ध में साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 48 के अनुसार निम्न नियम लागू होते हैं

I. हानियों का व्यवहार

- फर्म की हानियाँ सर्वप्रथम लाभ से पूरी की जायेंगी, हानियों के साथ-साथ पूँजी की अपूर्णता को भी लाभों में से पूरा किया जायेगा।
- लाभों के बाद उन्हें साझेदारों की पूँजी से पूरा किया जायेगा।
- यदि आवश्यकता हुई तो प्रत्येक साझेदार इन्हें अपने लाभ-हानि अनुपात में वहन करेगा।

II. परिसम्पत्तियों का उपयोग फर्म की सम्पत्ति का प्रयोग निम्न क्रम से किया जाता है:

- सुरक्षित ऋण का भुगतान;
- साझेदारों को छोड़कर अन्य पक्षकारों का ऋण चुकाने के लिए;
- इसके बाद प्रत्येक साझेदार को यह धन आनुपातिक रूप से भुगतान किया जायेगा, जो कि उसने फर्म की पूँजी के अतिरिक्त ऋण के रूप में दिया है;
- प्रत्येक साझेदार की पूँजी आनुपातिक हिसाब से वापस करने में:
- उपर्युक्त भुगतान करने के बाद कोई धन शेष बचे तो वह उनके लाभ-हानि अनुपात में बाँट दिया जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इस प्रकार स्पष्ट है कि परिसम्पत्तियों से वसूल राशि, साझेदारों से अंशदान के साथ यदि आवश्यक हो तो, इसका उपयोग सर्वप्रथम फर्म के बाह्य दायित्वों के भुगतान जैसे लेमदार, ऋण, बैंक अधिविकर्ष, देय-विपत्र आदि के लिए किया जायेगा।उल्लेखनीय है कि सुरक्षित ऋण का भुगतान असुरक्षित ऋण से पहले होगा।शेष राशि का उपयोग साझेदारों द्वारा फर्म को दिए गए ऋण तथा अग्रिम भुगतान के लिए होगा।लेकिन यदि शेष राशि भुगतान हेतु अपर्याप्त हो तो ऋण का भुगतान आनुपातिक रूप से होगा।इसके बाद बची हुई राशि का उपयोग पूँजी खातों के शेष के निपटान के लिए किया जाएगा।यदि इसके बाद भी अतिरिक्त राशि बचती है तो इसे लाभ विभाजन अनुपात में साझेदारों के मध्य बाँटा जाएगा।

प्रश्न 6 वसूली खाता पुनर्मूल्यांकन खाते से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर – वसूली खाते तथा पुनर्मूल्यांकन खाते में अन्तर

(Differences between Realisation Account and Revaluation Account):

आधार	वसूली खाता	पुनर्मूल्यांकन खाता
उद्देश्य	वसूली खाता फर्म के समापन पर सम्पत्तियों के विक्रय से वसूली तथा दायित्वों के भुगतान से सम्बन्धित व्यवहारों का लेखा करने के लिए बनाया जाता है।	पुनर्मूल्यांकन खाता किसी नये साझेदार के प्रवेश अथवा किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण करने या उसकी मृत्यु पर सम्पत्तियों एवं दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन के कारण मूल्यों में कमी अथवा वृद्धि का लेख करने के लिए बनाया जाता है।
अनिवार्यता	फर्म के समापन के समय वसूली खाता खोलना अनिवार्य होता है।	फार्म के संगठन में परिवर्तन होने पर पुनर्मूल्यांकन खाता खोले बिना भी लाभ अथवा हानि का समायोजन किया जा सकता है।अर्थात् यह खाता खोलना अनिवार्य नहीं होता है।
तैयार करने का समय	वसूली खाता फर्म के समापन पर फर्म की पुस्तकें बन्द करने के लिए बनाया जाता है।	पुनर्मूल्यांकन खाता फर्म के चालू रहने पर फर्म के संगठन में परिवर्तन के फलस्वरूप तैयार किया जाता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

व्यय	फर्म के समापन पर वसूली के सम्बन्ध में कुछ व्यय किए जाते हैं, जिनसे वसूली खाता डेबिट किया जाता है।	फर्म के संगठन में परिवर्तन के फलस्वरूप सम्पत्ति एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन संस्था के लेखापालों द्वारा ही किया जाता है, अतः किसी प्रकार का कोई व्यय नहीं होता है।
लेखा प्रविष्टियाँ	वसूली खाते के डेबिट पक्ष में रोकड़ तथा बैंक शेष के अलावा समस्त सम्पत्तियों का शेष तथा क्रेडिट पक्ष में पूँजी, संचय, अवितरित लाभ तथा साझेदारों के ऋणों को छोड़कर अन्य दायित्वों के शेष अन्तरित कर दिए जाते हैं।	पुनर्मूल्यांकन खाते के डेबिट पक्ष में सम्पत्तियों के मूल्यों में कमी, दायित्वों के मूल्य में वृद्धि व संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान तथा क्रेडिट पक्ष में सम्पत्तियों के मूल्य में वृद्धि तथा दायित्वों के मूल्य में कमी अंकित की जाती है।

निबन्धात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1 साझेदारी फर्म के विघटन की प्रक्रिया समझाइए।

अथवा

एक साझेदारी फर्म का विघटन किस प्रकार होता है? समझाइए।

उत्तर – साझेदारी फर्म का विघटन:

(Dissolution of a Partnership Firm):

साझेदारी फर्म का विघटन अनेक तरीकों से हो सकेता है।न्यायालय के आदेश से या न्यायालय के दखल के बिना या अन्य तरीकों से भी साझेदारी फर्म का समापन हो सकता है।फर्म का विघटन विभिन्न परिस्थितियों में निम्न प्रकार किया जा सकता है

- समझौते द्वारा समापन,
- अनिवार्य समापन,
- नोटिस द्वारा समापन,
- न्यायालय द्वारा समापन, तथा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- विशिष्ट घटनाओं के कारण समापन।

इनका वर्णन निम्न प्रकार है:

1. समझौते द्वारा समापन-इसमें सभी साझेदारों की आपसी सहमति अथवा साझेदारी संलेख की व्यवस्था के अनुसार कभी भी फर्म का समापन किया जा सकता है।

2. अनिवार्य समापन-निम्न अवस्थाओं में फर्म का अनिवार्य रूप से समापन हो जाता है

- जब फर्म के सभी साझेदार अथवा एक को छोड़कर शेष सभी साझेदार दिवालिया घोषित हो जायें।
- फर्म में शत्रु राष्ट्र का निवासी साझेदार हो।
- किसी घटना के घटित हो जाने पर फर्म का व्यापार अवैध घोषित हो जाये।

3. नोटिस द्वारा समापन-यदि साझेदारी ऐच्छिक है, तो कोई भी साझेदार अन्य साझेदारों को नोटिस देकर फर्म का समापन करवा सकता है।

4. न्यायालय द्वारा समापन-किसी भी साझेदार द्वारा वाद प्रस्तुत करने पर न्यायालय निम्नलिखित दशाओं में फर्म के समापन का आदेश दे सकता है

- किसी साझेदार के मानसिक सन्तुलन खोने पर।
- जब कोई साझेदार कर्त्तव्य पूरा करने में स्थायी रूप से अयोग्य हो जाए।
- जब कोई साझेदार फर्म में अपने हित को तीसरे पक्ष को हस्तान्तरित कर दे।
- जब कोई साझेदार फर्म के प्रबन्ध सम्बन्धी ठहराव को तोड़े।
- जब फर्म के व्यवसाय को हानि उठाकर ही चालू रखा जा सकता है अथवा नहीं।
- जब कोई साझेदार फर्म को नुकसान पहुँचाने का कार्य करता हो।
- अन्य किसी आधार पर जिसे न्यायालय उचित समझे।

5. विशिष्ट घटनाओं के कारण समापन-निम्न विशेष परिस्थितियों में फर्म का समापन किया जा सकता है, बशर्ते कि साझेदारी संलेख में इनके विपरीत कोई अनुबन्ध न हो

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- निश्चित अवधि के लिए बनाई गई फर्म की दशा में उस अवधि के व्यतीत होने पर।
- किसी निश्चित कार्य को पूरा करने के लिए बनाई गई फर्म की दशा में उस कार्य के पूरा होने पर।
- किसी साझेदार के दिवालिया होने पर।
- किसी साझेदार की मृत्यु होने पर।

फर्म के विघटन के निर्णय के बाद फर्म अपना व्यवसाय बन्द कर देती है और फर्म की पुस्तकें बन्द कर दी जाती हैं और परिसम्पत्तियों की वसली तथा दायित्वों के भुगतान के पश्चात होने वाली हानि या लाभ की गणना की जाती है, जिसके लिए वसूली खाता तैयार किया जाता है।इस खाते के माध्यम से परिसम्पत्तियों से वसूली तथा दायित्वों के भुगतान के पश्चात् निवल प्रभाव (लाभ या हानि) का निर्धारण करके साझेदारों के पूँजी खाते में उनके लाभ विभाजन अनुपात में हस्तान्तरित किया जाता है।

इस हेतु, सभी परिसम्पत्तियाँ (हस्तस्थ रोकड़, बैंक शेष तथा काल्पनिक परिसम्पत्तियों के अतिरिक्त यदि कोई हो) तथा सभी बाह्य दायित्वों को इस खाते में हस्तान्तरित किया जाता है।यह खाता परिसम्पत्तियों की बिक्री, दायित्वों का भुगतान तथा वसूली व्ययों का अभिलेखन करता है।इस खाते के शेष को वसूली पर लाभ या हानि कहा जाता है जो कि साझेदारों के पूँजी खाते में इनके लाभ विभाजन अनुपात में हस्तान्तरित किया जाता है।

खातों का निपटारा: फर्म के विघटन की प्रक्रिया में खातों के निपटारे हेतु साझेदारों के मध्य समझौते के आधार पर साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 48 के अनुसार निम्न नियम लागू होंगे

(1) हानियों का व्यवहारं-हानि, पूँजी में कमी सहित देय होंगे:

(अ) प्रथम लाभ में से;

(ब) इसके पश्चात् साझेदारों की पूँजी में से; तथा

(स) अन्ततः यदि आवश्यक हो तो साझेदारों द्वारा अपने लाभ-विभाजन अनुपात में व्यक्तिगत रूप में।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(2) परिसम्पत्तियों का उपयोग फर्म की परिसम्पत्तियाँ, साझेदारों द्वारा पूँजी में कमी को पूरा करने के लिए किए गए अंशदान सहित निम्न प्रकार तथा क्रम से प्रयुक्त होंगी:

(अ) फर्म के ऋण का अन्य पक्षों को भुगतान;

(ब) साझेदारों द्वारा फर्म को दिए गए अग्रिम जो कि पूँजी से भिन्न हैं (उदाहरणार्थ, साझेदार से ऋण) को प्रत्येक साझेदार को आनुपातिक भुगतान करेगा;

(स) पूँजी खाते में जो साझेदारों को देय हैं, प्रत्येक साझेदार का आनुपातिक भुगतान होगा; तथा

(द) शेष राशि यदि कोई है, सभी साझेदारों में उनके लाभ विभाजन अनुपात में विभाजित होगी।

प्रश्न 2 वसूली खाता किसे कहते हैं?

अथवा

वसूली खाता क्या है? समझाइए।

उत्तर – वसूली खाता (Realisation Account): फर्म के समापन पर फर्म की सम्पत्तियों के विक्रय से राशि वसूल की जाती है तथा दायित्वों का भुगतान किया जाता है।इसके लिए फर्म की पुस्तकों में एक विशेष खाता खोला जाता है, जिसे वसूली खाता (Realisation Account) कहते हैं।यह एक नाम-मात्र का खाता (Nominal Account) होता है।वसूली खाते में सभी सम्पत्तियों व दायित्वों को पुस्तक मूल्य पर हस्तान्तरित किया जाता है तथा इस कारण सभी सम्पत्तियों व दायित्वों के खाते बन्द हो जाते हैं।

रोकड व बैंक शेष, साझेदार के ऋण, साझेदारों के पूँजी खाते व चालू खाते, संचय व वितरित लाभ, लाभ-हानि खाते का डेबिट शेष आदि वसूली खाते में हस्तान्तरित नहीं किए जाते हैं।सम्पत्तियों के विक्रय से प्राप्त राशि तथा दायित्वों का भुगतान की गई राशि, साझेदार द्वारा ली गई सम्पत्ति एवं समापन व्यय का लेखा भी वसूली खाते में किया जाता है ।वसूली खाते का शेष वसूली पर लाभ अथवा हानि को दर्शाता है जिसे सभी साझेदारों के पूजी खाते या चालू खाते में अन्तरित कर दिया जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उदाहरण: सुभाष, अजय, पवन बराबर के साझी के रूप में व्यापार कर रहे थे।1 अगस्त, 2021 को अजय को दिवालिया घोषित कर दिया गया और यह तय किया गया कि साझेदारी फर्म का विघटन कर दिया जाए।इस तारीख को फर्म की सम्पत्तियाँ एवं दायित्व निम्न प्रकार थे

Liabilities	Amount ₹	Assets		Amount ₹
Sundry Creditors	15,000	Debtors	3,000	
Reserve Fund	11,000	*Less* : Provision	500	2,500
Loan from Subhash	12,000	Stock		41,000
Capital Accounts :		Bills Receivable		11,500
Subhash	21,000	Furniture		22,000
Ajay	22,000	Investments		22,500
Pawan	23,000	Profit & Loss A/c		3,000
Current Accounts :		Current A/c : Ajay		2,500
Subhash	200			
Pawan	800			
	1,05,000			1,05,000

प्रश्न 3 वसूली खाते का प्रारूप बनाइये।

उत्तर – Realisation Account:

Dr. **Cr.**

	₹	₹		₹	₹
To Sundry Assets :			By Sundry Creditors		15,000
Debtors	3,000		By Provision for Bad Debts		500
Stock	41,000		By Cash A/c :		
Bills Receivable	11,500		Debtors	1,500	
Furniture	22,000		Stock	36,900	
Investments	22,500	1,00,000	Bills Receivable	10,925	
To Cash A/c			Investments	18,000	
(Sundry Creditors)		15,500	Furniture	17,600	84,925
To Cash A/c			By Capital A/cs :		
(Realisation Expenses)		1,500	(Loss on Realisation)		
			Subhash	5,525	
			Ajay	5,525	
			Pawan	5,525	16,575
		1,17,000			1,17,000

प्रश्न 4 लेनदारों को कमी का भुगतान किस प्रकार से करेंगे?

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – लेनदारों को कमी (Deficiency of Creditors) का भुगतान:

फर्म का विघटन होने पर सभी सम्पत्तियों तथा दायित्वों का निपटारा किया जाता है।फर्म की सम्पत्तियों के विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग लेनदारों को भुगतान करने में किया जाता है।कई बार सम्पत्तियों के विक्रय से प्राप्त राशि इतनी कम होती है कि सम्पूर्ण लेनदारों को भुगतान नहीं हो पाता है।ऐसी स्थिति में लेनदारों के भुगतान में सम्पत्तियों से प्राप्त राशि कम पड़ने पर सर्वप्रथम साझेदारों की निजी सम्पत्तियों के द्वारा उनका भुगतान किया जायेगा।यदि इसके बाद भी लेनदारों को कोई राशि देय रह जाती है तो यह लेनदारों को कमी की राशि होती है।इसके व्यवहार की प्रायः निम्न दो विधियाँ हैं।

(1) लेनदारों को कमी की राशि को न्यूनता खाते (Deficiency Account) में हस्तान्तरित करना: इसके लिए पहले फर्म के लेनदारों का एक अलग खाता बनाया जाता है।इसके साथ ही फर्म की सम्पत्तियों तथा साझेदारों की निजी सम्पत्तियों से प्राप्त नकदी की जानकारी हेतु रोकड़ खाता (Cash Account) तैयार किया जाता है।फर्म के पास नकदी उपलब्धता का निर्धारण करने के बाद लेनदारों और बाह्य दायित्वों को आनुपातिक रूप में (आंशिक) भुगतान किया जाता है।शेष बचे लेनदारों अथवा लेनदारों को कमी की राशि को न्यूनतम खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।

(2) लेनदारों को कमी की राशि को साझेदारों के पूँजी खातों में हस्तान्तरित करना: इस विधि में फर्म एवं साझेदारों की निजी सम्पत्तियों से प्राप्त रोकड़ द्वारा लेनदारों को भुगतान के बाद लेनदारों को कमी की राशि को साझेदारों के पूँजी खातों में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।इस प्रकार लेनदारों को कमी की राशि को सभी साझेदारों द्वारा उनके लाभ विभाजन अनुपात में वहन किया जायेगा।यदि कोई साझेदार दिवालिया हो जाता है और न्यूनता को वहन करने में असमर्थ है तो यह फर्म को पूँजीगत हानि मानी जायेगी।यदि साझेदारी विलेख में इस बारे में कोई समझौता किया हुआ है तो इसका निपटारा उसी अनुसार किया जायेगा।लेकिन यदि किसी साझेदार के दिवालिया होने की दशा में ऐसी पूँजीगत हानि के बारे में साझेदारी विलेख में कोई समझौता नहीं किया गया है तो गार्नर बनाम मरे नियम के अनुसार ऐसी पूँजीगत हानि को शोध्य (Solvent) साझेदारों द्वारा उनके पूँजी अनुपात में वहन किया जायेगा।

आंकिक प्रश्न:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 1 वसूली व्यय से सम्बन्धित निम्न व्यवहारों का रोजनामचा बनाइए:

(अ) वसूली व्यय की राशि ₹ 2,500।

(ब) वसूली व्यय की राशि ₹ 3,000 का भुगतान अशोक द्वारा जो कि एक साझेदार है।

(स) वसूली व्यय ₹ 2,300 तरुण द्वारा व्यक्तिगत तौर पर किए गए।

(द) साझेदार अमित को परिसम्पत्तियों की वसूली के लिए ₹ 4,000 में नियुक्त किया गया।वास्तविक वसूली व्यय की राशि ₹ 3,000 है।

उत्तर – Journal:

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
(a)	Realisation A/c Dr. To Bank/Cash A/c (Realisation expenses paid)		2,500	2,500
(b)	Realisation A/c Dr. To Ashok's Capital A/c (Realisation expenses paid by Ashok)		3,000	3,000
(c)	कोई प्रविष्टि नहीं, क्योंकि तरुण द्वारा वसूली व्यय व्यक्तिगत तौर पर किये गये हैं।			
(d)	Realisation A/c Dr. To Amit's Capital A/c (Realisation expenses paid to Amit)		4,000	4,000

प्रश्न 2 निम्न स्थिति में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि दें:

(अ) ₹ 85,000 के लेनदारों ने ₹ 40,000 रोकड़ और ₹ 43,000 के विनियोग का अपने दावे का पूर्ण भुगतान स्वीकार किया।

(ब) लेनदार ₹ 16,000 के हैं।वे ₹ 18,000 मूल्य की मशीनरी को अपने दावे का भुगतान स्वीकार करते हैं।

(स) लेनदार ₹ 90,000 के हैं।वे ₹ 1,20,000 के भवन तथा ₹ 30,000 के रोकड़ को फर्म का भुगतान स्वीकार करते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – Journal:

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
(a)	Realisation A/c Dr. To Cash/Bank A/c (Creditors worth ₹ 85,000 accepted ₹ 40,000 as cash and investment worth ₹ 43,000 in their full settlement)		40,000	40,000
(b)	कोई प्रविष्टि नहीं (Creditors for ₹ 16,000 accepted Machinery valued at ₹ 18,000 in the full settlement. No entry is required since both asset and liability are already transferred to the Realisation Account)			
(c)	Cash/Bank A/c Dr. To Realisation A/c (Creditors worth ₹ 90,000 accepted buildings worth ₹ 1,20,000 and paid cash to the firm ₹ 30,000 after settlement)		30,000	30,000

प्रश्न 3 एक पुराने कम्प्यूटर को पिछले वर्ष के लेखा पुस्तकों में अपलिखित किया गया।एक साझेदार नितिन द्वारा उसी को ₹ 3,000 में लिया गया।यह मानते हुए कि फर्म का विघटन हो चुका है, उपरोक्त के सम्बन्ध में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

उत्तर – Journal:

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
	Nitin's Capital A/c Dr. To Realisation A/c (Unrecorded computer taken over by Nitin)		3,000	3,000

प्रश्न 4 फर्म के विघटन पर निम्न व्यवहारों की क्या रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलेखित की जाएँगी:

(अ) गैर-अभिलेखित दायित्व का भुगतान ₹ 3,200।

(ब) साझेदार रोहित द्वारा ₹ 7,500 के स्टॉक को लेना।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(स) वसूली पर लाभ की राशि ₹ 18,000 को साझेदार आशीष और तरुण का 5 : 7 के अनुपात में विभाजित किया गया।

(द) गैर-अभिलेखित परिसम्पत्ति से ₹ 5,500 की वसूली।

उत्तर – Journal:

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
(a)	Realisation A/c Dr. To Bank/Cash A/c (Unrecorded liabilities paid)		3,200	3,200
(b)	Rohit's Capital A/c Dr. To Realisation A/c (Stock taken over by Rohit)		7,500	7,500
(c)	Realisation A/c Dr. To Ashish's Capital A/c To Tarun's Capital A/c (Profit on Realisation transferred to Partners' Capital Accounts)		18,000	7,500 10,500
(d)	Bank/Cash A/c Dr. To Realisation A/c (Unrecorded asset sold)		5,500	5,500

प्रश्न 5 निम्न व्यवहारों की रोजनामचा प्रविष्टियाँ दीजिए:

1. विभिन्न परिसम्पत्तियों और दायित्वों की वसूली का अभिलेखन।

2. फर्म के पास ₹ 1,60,000 का स्टॉक है।साझेदार अजीज द्वारा 50% स्टॉक को 20% छूट पर ले लिया गया।

3. शेष स्टॉक का विक्रय लागत मूल्य पर 30% लाभ पर हुआ।

4. भूमि और भवन (पुस्तक मूल्य ₹ 1,60,000) का विक्रय ₹ 3,00,000 में एक दलाल के द्वारा किया गया जिसने सौदे पर 2% कमीशन लिया।

5. संयंत्र और मशीनरी (पुस्तक मूल्य ₹ 60,000) एक लेनदार को पुस्तक मूल्य से 10% कम के स्वीकृत मूल्यांकन पर दिया गया।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

6. विनियोग जिसका मूल्य ₹ 4,000 था से 50% वसूली हुई।

उत्तर – Journal :

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
1. (a)	Realisation A/c Dr. To Assets A/c (Individually) (Assets transferred to Realisation Account)			
(b)	Liabilities A/c (Individually) Dr. To Realisation A/c (Liabilities transferred to Realisation Account)			
(c)	Cash/Bank A/c Dr. To Realisation A/c (Assets sold)			
(d)	Realisation A/c Dr. To Cash/Bank A/c (Liabilities paid)			
2.	Aziz's Capital A/c Dr. To Realisation A/c (Aziz took over 50% of stock total value of which was ₹ 1,60,000 at 20% discount)		64,000	64,000
3.	Cash/Bank A/c Dr. To Realisation A/c (Stock worth ₹ 80,000 sold at a profit of 30% on cost)		1,04,000	1,04,000
4.	Cash/Bank A/c Dr. To Realisation A/c (Land and Building sold for ₹ 3,00,000 and 2% commission paid to the broker)		2,94,000	2,94,000
5.	(कोई प्रविष्टि नहीं) (Plant and Machinery ₹ 60,000 handed over to the creditors at a discount of 10%. No entry is required as both the asset and liability are already transferred to the Realisation Account)			
6.	Cash/Bank A/c Dr. To Realisation A/c (Investments worth ₹ 4,000 were realised at 50%)		2,000	2,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 6 निम्न परिस्थितियों में आप रश्मि और बिंदिया के वसूली व्ययों का किस प्रकार लेखा व्यवहार :

1. वसूली व्यय की राशि ₹ 1,00,000।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. वसूली व्यय की राशि ₹ 30,000 का भुगतान साझेदार रशिम ने किया।

3. विघटन प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए रश्मि ने वसूली व्यय का वहन किया जिसके लिए पारितोषित 70,000 दिया गया।रशिम द्वारा वास्तविक व्यय ₹ 1,20,000 किया गया।

उत्तर – Books of Rashmi and Bindiya Journal:

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
1.	Realisation A/c Dr.		1,00,000	
	To Bank A/c			1,00,000
	(Realisation expenses paid)			
2.	Realisation A/c Dr.		30,000	
	To Rashmi's Capital A/c			30,000
	(Realisation expenses borne by Rashmi)			
3.	Realisation A/c Dr.		70,000	
	To Rashmi's Capital A/c			70,000
	(Realisation expenses borne by Rashmi and remuneration to him for dissolution ₹ 70,000)			

प्रश्न 7 ₹ 1,00,000 की परिसम्पत्तियों का हस्तान्तरण (रोकड़ और बैंक के अतिरिक्त) वसूली खाते में किया गया।50% परिसम्पत्तियों को साझेदार अतुल द्वारा 20% छुट पर ले लिया।शेष परिसम्पत्तियों में से 40% को, लागत पर 30% लाभ पर विक्रय किया गया।शेष का 5% बेकार हो गया, कुछ वसूली नहीं हुई और बाकी परिसम्पत्तियाँ एक लेनदार को उसके दावे का पूर्ण भुगतान के लिए दी गई।

परिसम्पत्तियों से वसूली की रोजनामचा प्रविष्टियों का अभिलेखन करें।

उत्तर – Journal:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
(1)	Realisation A/c Dr. To Sundry Assets A/c (Assets other than cash and bank transferred to Realisation Account)		1,00,000	1,00,000
(2)	Atul's Capital A/c Dr. To Realisation A/c (Atul took over 50% of assets worth ₹ 1,00,000 at 20% discount) [1,00,000 (50/100) × (80/100)]		40,000	40,000
(3)	Bank/Cash A/c Dr. To Realisation A/c (Assets worth ₹ 20,000 i.e. 40% of assets of ₹ 50,000 are sold at a profit of 30%) [50,000 × (40/100) × (130/100)]		26,000	26,000

नोट: सम्पत्ति बेकार होने से कुछ भी वसूली नहीं होने पर तथा लेनदार को पूर्ण भुगतान में सम्पत्ति देने की कोई प्रविष्टि नहीं की जायेगी।इन्हें पूर्व में वसूली खाते में हस्तान्तरित किया जा चुका है तथा इनका समायोजन हो गया है।

प्रश्न 8 पारस और प्रिया की पुस्तकों में निम्न गैर-अभिलेखित परिसम्पत्तियों और दायित्वों की आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि का अभिलेखन करें:

1. एक पुराने फर्नीचर को फर्म में पूर्ण रूप से अपलिखित किया गया।यह फर्नीचर ₹ 3.000 में बेचा गया।

2. आशीष जो कि एक पुराना ग्राहक है जिसका खाता ₹ 1,000 से पिछले वर्ष के डूबत ऋण के तौर पर अपलिखित किया गया, ने 60% का भुगतान किया।

3. पारस फर्म की ख्याति को लेता है (जिसका लेखा पुस्तकों में नहीं है) जिसे ₹ 3,000 पर मूल्यांकित किया गया।

4. एक पुरानी टंकण मशीन (टाइपराइटर) जो कि पूर्ण रूप से लेखा पुस्तकों में अपलिखित किया गया।इसका अनुमानित वसूली मूल्य ₹ 400 था।इसको प्रिया के द्वारा अनुमानित मूल्य से 25% छुट पर लिया गया।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

5. 100 शेयर, ₹ 10 प्रत्येक को स्टार लिमिटेड ने ₹ 2,000 की कीमत पर अधिगृहित किया था, जिसको लेखा पुस्तकों में पूर्ण रूप से अपलिखित किया गया।इन अंशों का मूल्यांकन ₹ 6 प्रत्येक किया तथा साझेदारों के मध्य उनके लाभ विभाजन अनुपात में बाँटा गया।

उत्तर – Books of Paras and Priya

Journal:

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit	Amount Credit
				₹	₹
1.	Bank/Cash A/c	Dr.		3,000	
	To Realisation A/c				3,000
	(Unrecorded furniture sold)				
2.	Bank/Cash A/c	Dr.		600	
	To Realisation A/c				600
	(Bad Debt recovered which was previously written off as bad)				
3.	Paras's Capital A/c	Dr.		3,000	
	To Realisation A/c				3,000
	(Unrecorded goodwill taken over by Paras)				
4.	Priya's Capital A/c	Dr.		300	
	To Realisation A/c				300
	(Unrecorded Typewriter estimated ₹ 400 taken over by Priya at 25% less price)				
5.	Paras's Capital A/c	Dr.		300	
	Priya's Capital A/c	Dr.		300	
	To Realisation A/c				600
	(100 shares of ₹ 10 each which were not recorded in the books valued @ ₹ 6 each and divided between the partners in their profit sharing ratio)				

प्रश्न 9 सभी साझेदारों ने फर्म के विघटन की इच्छा व्यक्त की।यासिन एक साझेदार ₹ 2,00,000 के ऋण को साझेदारों के पूँजी भुगतान से पहले भुगतान चाहता है।लेकिन अमर, एक अन्य साझेदार पूँजी का भुगतान, यासिन के ऋण के भुगतान से पहले चाहता है।कारण बताते हुए उनके बीच उपाय का सुझाव दें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 48 के अनुसार साझेदारों के ऋण एवं अग्रिम का भुगतान उनके पूँजी खातों के निपटारे से पहले किया जायेगा।इसके अनुसार यासिन का ₹ 2,00,000 के उसके ऋण का साझेदारों के पूँजी के भुगतान से पहले, भुगतान का दावा सही है।

प्रश्न 10 समस्त दायित्वों को वसूली खाते में हस्तान्तरित करने तथा विभिन्न परिसम्पत्तियों (रोकड़ के अतिरिक्त) तीसरे पक्ष को किसी फर्म के विघटन पर निम्न लेनदेनों के सम्बन्ध में क्या रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाएँगी?

1. आरती ने ₹ 80,000 के मूल्य का स्टॉक ₹ 68,000 में लिया।

2. ₹ 40,000 की गैर-अभिलेखित मोटर साइकिल जो कि करीम द्वारा ली गई।

3. फर्म ने कर्मचारियों को ₹ 40,000 की क्षतिपूर्ति का भुगतान किया।

4. विभिन्न दायित्व को जो कि ₹ 36,000 के थे, को 15% छूट पर भुगतान किया गया।

5. वसूली पर हानि ₹ 42,000 को आरती और करीम के मध्य 3 : 4 के अनुपात में विभाजन किया जाएगा।

उत्तर – Journal:

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit	Amount Credit
			₹	₹
1.	Aarti's Capital A/c Dr. To Realisation A/c (Aarti took over stock worth ₹ 80,000 at ₹ 68,000)		68,000	68,000
2.	Karim's Capital A/c Dr. To Realisation A/c (Karim took over an unrecorded bike of ₹ 40,000)		40,000	40,000
3.	Realisation A/c Dr. To Bank/Cash A/c (Compensation paid to the employees)		40,000	40,000
4.	Realisation A/c Dr. To Bank/Cash A/c (Creditors amounting ₹ 36,000 were settled at a discount of 15%)		30,600	30,600
5.	Aarti's Capital A/c Dr. Karim's Capital A/c Dr. To Realisation A/c (Loss on Realisation transferred to Partner's Capital Accounts)		18,000 24,000	42,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 11 रोज़ और लिली का लाभ विभाजन अनुपात 2 : 3 है। 31 मार्च, 2017 को उनका तुलन पत्र निम्न

दायित्व (Liabilities)	राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)		राशि (Amount) ₹
लेनदार (Creditors)	40,000	रोकड़ (Cash)		16,000
लिली से ऋण (Lily's Loan)	32,000	देनदार (Debtors)	80,000	
लाभ व हानि (Profit and Loss)	50,000	घटाया : संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान		
पूँजी (Capitals) :		(*Less* : Provision for Doubtful Debts)	3,600	76,400
लिली (Lily)	1,60,000	स्टॉक (Stock)		1,09,600
रोज़ (Rose)	2,40,000	प्राप्य विपत्र (Bills Receivable)		40,000
		भवन (Buildings)		2,80,000
	5,22,000			5,22,000

रोज़ और लिली इस तिथि को फर्म के विघटन का निर्णय करते हैं। परिसम्पत्तियों (प्राप्य विपत्र को छोड़कर) से वसूली ₹ 4,84,000 लेने के लिए सहमत हैं। लेनदार ₹ 38,000 लेने पर सहमत हैं। वसूली की लागत ₹ 2,400। फर्म में मोटर साईकिल है जिसको फर्म के रुपयों से लिया गया लेकिन फर्म की पुस्तकों में नहीं दर्शाया गया। इसका विक्रय ₹ 10,000 में किया गया। बकाया बिजली बिल के सम्बन्ध में सम्भावित दायित्व र 5,000 हैं। प्राप्य विपत्र रोज़ ने ₹ 33,000 में ले लिया। वसूली खाता, साझेदारों के पूँजी खाते, ऋण खाता और रोकड़ खाता तैयार करें।

उत्तर – Books of Rose and Lily Realisation Account:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Debtors		80,000	By Provision for Doubtful Debts		3,600
To Stock		1,09,600	By Creditors		40,000
To Bills Receivables		40,000	By Cash :		
To Buildings		2,80,000	Motor Cycle	10,000	
To Cash :			Other Assets	4,84,000	4,94,000
Outstanding Electricity Bill	5,000		By Rose's Capital (Bills Receivable)		33,000
Creditors	38,000				
Expenses	2,400	45,400			
To Profit transferred to :					
Rose's Capital A/c	6,240				
Lily's Capital A/c	9,360	15,600			
		5,70,600			5,70,600

Partners' Capital Accounts:

Dr. **Cr.**

Particulars	Rose ₹	Lily ₹	Particulars	Rose ₹	Lily ₹
To Realisation (Bills Receivable)	33,000	--	By Balance b/d	2,40,000	1,60,000
To Cash A/c	2,33,240	1,99,360	By Profit and Loss	20,000	30,000
			By Realisation (Profit)	6,240	9,360
	2,66,240	1,99,360		2,66,240	1,99,360

Lily's Loan Account Amount:

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Cash	32,000	By Balance b/d	32,000
	32,000		32,000

Cash Account:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Balance b/d		16,000	By Realisation :		
To Realisation :			Creditors	38,000	
Motor Cycle	10,000		Outstanding Electricity Bill	5,000	
Other Assets	4,84,000	4,94,000	Expenses	2,400	45,400
			By Lily's Loan		32,000
			By Rose's Capital A/c		2,33,240
			By Lily's Capital A/c		1,99,360
		5,10,000			5,10,000

प्रश्न 12 शिल्पा, मीना और नन्दा ने 31 मार्च, 2017 को फर्म के विघटन का निर्णय लिया। इनका लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1 है और उनका तुलन पत्र इस प्रकार है :

31 मार्च, 2017 को शिल्पा, मीना और नन्दा का तुलन पत्र:

दायित्व (Liabilities)	राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
पूँजी (Capitals) :		भूमि (Land)	81,000
शिल्पा (Shilpa)	80,000	स्टॉक (Stock)	56,760
मीना (Meena)	40,000	देनदार (Debtors)	18,600
बैंक ऋण (Bank Loan)	20,000	नन्दा की पूँजी (Nanda's Capital)	23,000
लेनदार (Creditors)	37,000	रोकड़ (Cash)	10,840
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान (Provision for Doubtful Debts)	1,200		
सामान्य संचय (General Reserve)	12,000		
	1,90,200		1,90,200

शिल्पा ने ₹ 41,660 मूल्य का स्टॉक ₹ 35,000 में ले लिया और बैंक ऋण का भुगतान करने को सहमत हुई। शेष स्टॉक का विक्रय ₹ 14,000 में किया गया और ₹ 10,000 के देनदारों से ₹ 8,000 वसूली हुई। भूमि का विक्रय ₹ 1,10,000 में किया। शेष देनदारों से पुस्तक मूल्य की 50% वसूली हुई। वसूली की लागत राशि ₹ 1,200 है। ₹ 6,000 मूल्य की एक टंकण मशीन पुस्तकों में गैर-अभिलेखित है, को एक लेनदार ने इसी मूल्य पर ले लिया। वसूली खाता एवं अन्य खाते तैयार करें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – Realisation Account:

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Land		81,000	By Bank Loan		20,000
To Stock		56,760	By Creditors		37,000
To Debtors		18,600	By Provision for Doubtful Debts		1,200
To Shilpa's Capital A/c (Bank Loan)		20,000	By Shilpa's Capital A/c (Stock)		35,000
To Bank :			By Bank :		
Creditors (₹ 37,000 – ₹ 6,000)	31,000		Stock	14,000	
Realisation Expenses	1,200	32,200	Debtors (8,000 + 4,300)	12,300	
To Profit transferred to :			Land	1,10,000	1,36,300
Shilpa's Capital A/c	10,470				
Meena's Capital A/c	6,980				
Nanda's Capital A/c	3,490	20,940			
		2,29,500			2,29,500

Partners''Capital Accounts:

Dr. **Cr.**

Particulars	Shilpa ₹	Meena ₹	Nanda ₹	Particulars	Shilpa ₹	Meena ₹	Nanda ₹
To Balance b/d	--	--	23,000	By Balance b/d	80,000	40,000	--
To Realisation (Stock)	35,000	--	--	By General Reserve	6,000	4,000	2,000
To Bank (*Balancing Figure*)	81,470	50,980	--	By Realisation (Bank Loan)	20,000	--	--
				By Realisation (Profit)	10,470	6,980	3,490
				By Bank (*Balancing Figure*)	--	--	17,510
	1,16,470	50,980	23,000		1,16,470	50,980	23,000

Bank Account :

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Cr.

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	10,840	By Realisation A/c	32,200
To Realisation A/c (Assets)	1,36,300	By Shilpa's Capital A/c	81,470
To Nanda's Capital A/c	17,510	By Meena's Capital A/c	50,980
	1,64,650		1,64,650

प्रश्न 13 सुरजीत और राही का लाभ व हानि विभाजन अनुपात 3 : 2 है। 31 मार्च, 2017 को उनका तुलन पत्र इस प्रकार है :

31 मार्च, 2017 को सुरजीत और राही का तुलन पत्र:

दायित्व (Liabilities)	राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
लेनदार (Creditors)	38,000	बैंक (Bank)	11,500
श्रीमती सुरजीत से ऋण		स्टॉक (Stock)	6,000
(Mrs. Surjit's Loan)	10,000	देनदार (Debtors)	19,000
संचय (Reserve)	15,000	फर्नीचर (Furniture)	4,000
राही का ऋण (Rahi's Loan)	5,000	संयंत्र (Plant)	28,000
पूँजी (Capitals) :		विनियोग (Investment)	10,000
सुरजीत (Surjit)	10,000	लाभ व हानि (Profit and Loss)	7,500
राही (Rahi)	8,000		
	86,000		86,000

31 मार्च, 2017 को फर्म का विघटन निम्न शतों पर हुआ:

1. सुरजीत ने विनियोगों को ₹ 8,000 में लिया और वह श्रीमती सुरजीत के ऋण का भुगतान करेगा।

2. अन्य परिसम्पत्तियों से वसली निम्न है:

3. वसूली व्यय की राशि ₹ 1,600 है।

4. लेनदारों ने पूर्ण भुगतान में ₹ 37,000 स्वीकार किए।

आप वसूली खाता, साझेदारों के पूँजी खाते और बैंक खाता तैयार करें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – Books of Surjit and Rahi Realisation Account:

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Stock		6,000	By Creditors		38,000
To Debtors		19,000	By Mrs. Surjit's Loan		10,000
To Furniture		4,000	By Surjit's Capital A/c (Investment)		8,000
To Plant		28,000	By Bank :		
To Investment		10,000	Stock	5,000	
To Surjit's Capital A/c			Debtors	18,500	
(Mrs. Surjit's Loan)		10,000	Furniture	4,500	
To Bank :			Plant	25,000	53,000
Expenses	1,600		By Loss transferred to :		
Creditors	37,000	38,600	Surjit's Capital A/c	3,960	
			Rahi's Capital A/c	2,640	6,600
		1,15,600			1,15,600

Partner Capital Account:

Dr. **Cr.**

Particulars	Surjit ₹	Rahi ₹	Particulars	Surjit ₹	Rahi ₹
To Realisation (Investment)	8,000	--	By Balance b/d	10,000	8,000
To Realisation (Loss)	3,960	2,640	By Realisation		
To Profit and Loss	4,500	3,000	(Mrs. Surjit's Loan)	10,000	--
To Bank	12,540	8,360	By Reserve	9,000	6,000
	29,000	14,000		29,000	14,000

Rahi Loan Account:

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Bank	5,000	By Balance b/d	5,000
	5,000		5,000

Bank Account Amount:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	11,500	By Realisation (Creditors and Expenses)	38,600
To Realisation A/c (Assets realised)	53,000	By Rahi's Loan	5,000
		By Surjit's Capital A/c	12,540
		By Rahi's Capital A/c	8,360
	64,500		64,500

प्रश्न 14 रीटा, गीता और आशीष फर्म में साझेदार हैं, उनका लाभ/हानि विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1 है।31 मार्च, 2017 को उनका तुलन पत्र इस प्रकार है :

31 मार्च, 2017 को रीता, गीता और आशीष का तुलन पत्र:

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
पूँजी (Capitals) :			रोकड़ (Cash)	22,500
रीटा (Rita)	80,000		देनदार (Debtors)	52,300
गीता (Geeta)	50,000		स्टॉक (Stock)	36,000
आशीष (Ashish)	30,000	1,60,000	विनियोग (Investments)	69,000
लेनदार (Creditors)		65,000	संयंत्र (Plant)	91,200
देय विपत्र (Bills Payable)		26,000		
सामान्य संचय (General Reserve)		20,000		
		2,71,000		2,71,000

ऊपर दी गई तिथि को फर्म का विघटन हो गया।

1. रीटा को परिसम्पत्तियों की वसूली के लिए नियुक्त किया गया।रीटा को परिसम्पत्तियों की वसूली के लिए 5% कमीशन (रोकड़ के अतिरिक्त) मिलेगा और वह सारे वसूली व्यय करेगी।

2. परिसम्पत्तियों से वसूली निम्न है:

3. विनियोग से पुस्तक मूल्य के 85% की वसूली हुई।

4. वसूली व्यय की राशि ₹ 4,100 है।

5. फर्म ने बकाया वेतन ₹ 7,200 का भुगतान किया जिसका प्रावधान पहले नहीं किया गया था।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

6. एक विपत्र बैंक से छट के सम्बन्ध में आकस्मिक दायित्व है जिसका भुगतान ₹ 9,800 किया गया।वसूली खाता, साझेदारों के पूँजी खाते, रोकड़ खाता तैयार करें।

उत्तर – Realisation Account:

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Debtors		52,300	By Creditors		65,000
To Stock		36,000	By Bills Payable		26,000
To Investments		69,000	By Cash :		
To Plant		91,200	Debtors	30,000	
To Cash :			Stock	26,000	
Outstanding Salaries	7,200		Plant	42,750	
Bills Discounted	9,800		Investment	58,650	1,57,400
Creditors	65,000		By Loss transferred to :		
Bills Payable	26,000	1,08,000	Rita's Capital A/c	57,985	
To Rita's Capital A/c			Geeta's Capital A/c	38,657	
(Commission 1,57,400 × 5/100)		7,870	Ashish's Capital A/c	19,328	1,15,970
		3,64,370			3,64,370

Partners' Capital Accounts:

Dr. **Cr.**

Particulars	Rita ₹	Geeta ₹	Ashish ₹	Particulars	Rita ₹	Geeta ₹	Ashish ₹
To Realisation A/c (Loss)	57,985	38,657	19,328	By Balance b/d	80,000	50,000	30,000
To Cash A/c (*Balancing Figure*)	39,885	18,010	14,005	By General Reserve	10,000	6,667	3,333
				By Realisation A/c (Commission)	7,870	--	--
	97,870	56,667	33,333		97,870	56,667	33,333

Cash Account:

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	22,500	By Realisation A/c	1,08,000
To Realisation A/c	1,57,400	By Rita's Capital A/c	39,885
		By Geeta's Capital A/c	18,010
		By Ashish's Capital A/c	14,005
	1,79,900		1,79,900

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नोट - वसूली व्यय की राशि ₹ 4,100 का कोई लेखा नहीं किया जायेगा क्योंकि वे रीटा द्वारा व्यक्तिगत रूप से वहन किये जायेंगे।

प्रश्न 15 अनूप और सुमित फर्म में बराबर के साझेदार हैं।वे 31 मार्च, 2017 को फर्म के समापन का निर्णय लेते हैं, जब तुलन पत्र निम्न है :

31 मार्च, 2017 को अनूप और सुमित का तुलन पत्र:

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		27,000	बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)	11,000
संचय कोष (General Reserve)		10,000	विविध देनदार (Sundry Debtors)	12,000
ऋण (Loan)		40,000	संयंत्र (Plants)	47,000
पूँजी (Capitals) :			स्टॉक (Stock)	42,000
अनूप (Anoop)	60,000		पट्टाकृत भूमि (Leasehold Land)	60,000
सुमित (Sumit)	60,000	1,20,000	फर्नीचर (Furniture)	25,000
		1,97,000		1,97,000

लेनदारों को ₹ 25,500 का भुगतान पूर्ण निपटारे के लिए किया गया।वसूली व्ययों की राशि ₹ 2,500 है।फर्म की पुस्तकों को बन्द करने के लिए वसूली खाता, बैंक खाता तथा साझेदारों के पूँजी खाते तैयार करें।

उत्तर – Books of Anoop and Sumit Relisation Account:

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Sundry Debtors		12,000	By Sundry Creditors		27,000
To Plants		47,000	By Loan		40,000
To Stock		42,000	By Bank :		
To Leasehold Land		60,000	Leasehold Land	72,000	
To Furniture		25,000	Furniture	22,500	
To Bank :			Stock	40,500	
Creditors	25,500		Plant	48,000	
Loan	40,000		Sundry Debtors	10,500	1,93,500
Expenses	2,500	68,000			
To Profit transferred to :					
Anoop's Capital A/c	3,250				
Sumit's Capital A/c	3,250	6,500			
		2,60,500			2,60,500

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Partner Capital Account:

Dr. **Cr.**

Particulars	Anoop ₹	Sumit ₹	Particulars	Anoop ₹	Sumit ₹
To Bank A/c	68,250	68,250	By Balance b/d	60,000	60,000
			By Reserve Fund	5,000	5,000
			By Realisation A/c (Profit)	3,250	3,250
	68,250	68,250		68,250	68,250

Bank Account:

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	11,000	By Realisation A/c (Expenses and Liabilities)	68,000
To Realisation A/c (Assets)	1,93,500	By Anoop's Capital A/c	68,250
		By Sumit's Capital A/c	68,250
	2,04,500		2,04,500

प्रश्न 16 आशू और हरीश साझेदार हैं।वे अपना लाभ और हानि 3 : 2 में विभाजित करते हैं।31 मार्च, 2017 को फर्म के विघटन का निर्णय लिया गया।इस तिथि को फर्म का तुलन पत्र इस प्रकार है :

31 मार्च, 2017 को आशु और हरीश का तुलन पत्र:

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
पूँजी (Capitals) :			भवन (Building)	80,000
आशू (Ashu)	1,08,000		मशीनरी (Machinery)	70,000
हरीश (Harish)	54,000	1,62,000	फर्नीचर (Furniture)	14,000
लेनदार (Creditors)		88,000	स्टॉक (Stock)	20,000
बैंक अधिविकर्ष (Bank Overdraft)		50,000	विनियोग (Investment)	60,000
			देनदार (Debtors)	48,000
			हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	8,000
		3,00,000		3,00,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

आशू ने भवन को ₹ 95,000 में और हराश न मशानरी आर फनाचर का ₹ 80,000 के मूल्य पर लया।

आशू लेनदारों का भुगतान करने के लिए सहमत हुआ और हरीश ने बैंक अधिविकर्ष का भुगतान किया। स्टॉक और विनियोग को दोनों साझेदारों ने लाभ विभाजन अनुफ्फत में ले लिया। देनदारों से ₹ 46,000 वसूली हुई। वसूली व्ययों की राशि ₹ 3,000 है। आवश्यक बही खाता तैयार करें।

उत्तर – Realisation Account:

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Building		80,000	By Creditors	88,000
To Machinery		70,000	By Bank Overdraft	50,000
To Furniture		14,000	By Ashu's Capital A/c (Assets)	1,43,000
To Stock		20,000	By Harish's Capital A/c (Assets)	1,12,000
To Investments		60,000	By Cash (Debtors)	46,000
To Debtors		48,000		
To Ashu's Capital A/c (Creditors)		88,000		
To Harish's Capital A/c (Bank Overdraft)		50,000		
To Cash (Expenses)		3,000		
To Profit transferred to Capital A/cs :				
Ashu	3,600			
Harish	2,400	6,000		
		4,39,000		4,39,000

Partner Capital Account:

Dr. **Cr.**

Particulars	Ashu ₹	Harish ₹	Particulars	Ashu ₹	Harish ₹
To Realisation A/c (Assets taken)	1,43,000	1,12,000	By Balance b/d	1,08,000	54,000
To Cash (*Balancing Figure*)	56,600	--	By Realisation A/c (Liabilities)	88,000	50,000
			By Realisation A/c (Profit)	3,600	2,400
			By Cash (*Balancing Figure*)	--	5,600
	1,99,600	1,12,000		1,99,600	1,12,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Cash Account:

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	8,000	By Realisation A/c (Expenses)	3,000
To Realisation A/c (Debtors)	46,000	By Ashu's Capital A/c	56,600
To Harish's Capital A/c	5,600		
	59,600		59,600

कार्यशील टिप्पणी : (1) साझेदारों द्वारा ली गई परिसम्पत्ति की गणना:

Assets taken by	Ashu ₹	Harish ₹
Building	95,000	--
Machinery and Furniture	--	80,000
Stock (in 3 : 2) Ratio	12,000	8,000
Investments (in 3 : 2) Ratio	36,000	24,000
Total Assets taken	1,43,000	1,12,000

प्रश्न 17 संजय, तरुण और विनित लाभ 3 : 2 : 1 के अनुपात में विभाजित करते हैं।31 मार्च, 2017 को उनका तुलन पत्र निम्न है:

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
पूँजी (Capitals) :			संयंत्र (Plant)	90,000
संजय (Sanjay)	1,00,000		देनदार (Debtors)	60,000
तरुण (Tarun)	1,00,000		फर्नीचर (Furniture)	32,000
विनित (Vineet)	70,000	2,70,000	स्टॉक (Stock)	60,000
लेनदार (Creditors)		80,000	विनियोग (Investments)	70,000
देय विपत्र (Bills Payable)		30,000	प्राप्य विपत्र (Bills Receivable)	36,000
			हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	32,000
		3,80,000		3,80,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इस तिथि को फर्म का विघटन हो गया।संजय को परिसम्पत्तियों से वसूली के लिए नियुक्त किया गया।संजय को परिसम्पत्तियों से वसूली पर (रोकड़ के अतिरिक्त)6% कमीशन दिया जाएगा और वह वसूली पर व्यय का भुगतान करेगा।संजय द्वारा परिसम्पत्तियों से निम्न वसूली की गई :

संयंत्र ₹ 72,000, देनदार ₹ 54,000, फर्नीचर ₹ 18,000, स्टॉक पुस्तक मूल्य का 90%, विनियोग ₹ 76,000 और प्राप्य विपत्र ₹ 31,000 व वसूली व्यय की राशि ₹ 4,500 है।

वसूली खाता, पूँजी खाते, रोकड़ खाता तैयार करें।

उत्तर – Books of Sanjay, Tarun and Vineet Dr.

Realisation Account:

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Plant		90,000	By Creditors		80,000
To Debtors		60,000	By Bills Payable		30,000
To Furniture		32,000	By Cash :		
To Stock		60,000	Plant	72,000	
To Investment		70,000	Debtors	54,000	
To Bills Receivable		36,000	Furniture	18,000	
To Cash :			Stock	54,000	
Creditors	80,000		Investments	76,000	
Bills Payable	30,000	1,10,000	Bills Receivable	31,000	3,05,000
To Sanjay's Capital A/c (6% Commission)		18,300	By Loss transferred to :		
			Sanjay's Capital A/c	30,650	
			Tarun's Capital A/c	20,433	
			Vineet's Capital A/c	10,217	61,300
		4,76,300			4,76,300

Partners' Capital Accounts:

Dr. **Cr.**

Particulars	Sanjay ₹	Tarun ₹	Vineet ₹	Particulars	Sanjay ₹	Tarun ₹	Vineet ₹
To Realisation A/c (Loss)	30,650	20,433	10,217	By Balance b/d	1,00,000	1,00,000	70,000
To Cash A/c	87,650	79,567	59,783	By Realisation A/c (Commission)	18,300	--	--
	1,18,300	1,00,000	70,000		1,18,300	1,00,000	70,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Cash Account:

Dr. Cr.

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	32,000	By Realisation A/c	1,10,000
To Realisation A/c	3,05,000	By Sanjay's Capital A/c	87,650
		By Tarun's Capital A/c	79,567
		By Vineet's Capital A/c	59,783
	3,37,000		3,37,000

प्रश्न 18 31 माच, 2017 को गुप्ता और शमो का तुलन पत्र निम्न है :

31 मार्च, 2017 को गुप्ता और शर्मा का तुलन पत्र:

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		38,000	बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)	12,500
श्रीमती गुप्ता से ऋण			विविध देनदार (Sundry Debtors)	55,000
(Mrs. Gupta's Loan)		20,000	स्टॉक (Stock)	44,000
श्रीमती शर्मा से ऋण			प्राप्य विपत्र (Bills Receivable)	19,000
(Mrs. Sharma's Loan)		30,000	मशीनरी (Machinery)	52,000
सामान्य संचय (General Reserve)		6,000	विनियोग (Investment)	38,500
डूबत ऋण के लिए प्रावधान			फिक्सचर्स (Fixtures)	27,000
(Provision for Doubtful Debts)		4,000		
पूँजी (Capitals) :				
गुप्ता (Gupta)	90,000			
शर्मा (Sharma)	60,000	1,50,000		
		2,48,000		2,48,000

31 मार्च, 2017 को फर्म का विघटन हो गया और परिसम्पत्तियों से वसूली व दायित्वों का भुगतान निम्न है:

(अ) परिसम्पत्तियों से वसूली : विविध देनदार (Sundry Debtors)

(ब) गुप्ता द्वारा विनियोग ₹ 36,000 के स्वीकृत मूल्य पर लिये गए और वह श्रीमती गुप्ता के ऋण का भुगतान करने के लिए सहमत है।.

(स) विविध लेनदारों को 3% छूट पर भुगतान किया गया।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(द) वसूली व्यय ₹ 120 किए गए। विघटन पर रोजनामचा प्रविष्टि करें और वसूली खाता, बैंक खाता और साझेदारों के पूँजी खाते तैयार करें।

उत्तर – Books of Gupta and Sharma Journal:

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit	Amount Credit
				₹	₹
2017	RBSESolutions.in				
Mar. 31	Realisation A/c	Dr.		2,35,500	
	To Sundry Debtors A/c				55,000
	To Stock A/c				44,000
	To Bills Receivable A/c				19,000
	To Machinery A/c				52,000
	To Investments A/c				38,500
	To Fixtures A/c				27,000
	(Assets transferred to Realisation Account)				
"	Sundry Creditors A/c	Dr.		38,000	
	Mrs. Gupta's Loan A/c	Dr.		20,000	
	Mrs. Sharma's Loan A/c	Dr.		30,000	
	Provision for Doubtful Debts A/c	Dr.		4,000	
	To Realisation A/c				92,000
	(Liabilities transferred to Realisation Account)				
"	Bank A/c	Dr.		1,79,000	
	To Realisation A/c				1,79,000
	(Assets realised)				
"	Realisation A/c	Dr.		20,000	
	To Gupta's Capital A/c				20,000
	(Gupta took over Mrs. Gupta's loan)				
"	Gupta's Capital A/c	Dr.		36,000	
	To Realisation A/c				36,000
	(Investments taken over by Gupta)				
Mar. 31	Realisation A/c	Dr.		68,060	
	To Bank A/c				68,060
	(Creditors ₹ 36,860, Mrs. Sharma's loan ₹ 30,000 and realisation expenses ₹ 1,200 paid)				
"	Gupta's Capital A/c	Dr.		8,280	
	Sharma's Capital A/c	Dr.		8,280	
	To Realisation A/c				16,560
	(Loss on realisation transferred to partner's capital accounts)				
"	General Reserve A/c	Dr.		6,000	
	To Gupta's Capital A/c				3,000
	To Sharma's Capital A/c				3,000
	(General Reserve distributed among partners)				
"	Gupta's Capital A/c	Dr.		68,720	
	Sharma's Capital A/c	Dr.		54,720	
	To Bank A/c				1,23,440
	(Final payment to partners)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Realisation Account:

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Sundry Debtors		55,000	By Sundry Creditors		38,000
To Stock		44,000	By Mrs. Gupta's Loan		20,000
To Bills Receivable		19,000	By Mrs. Sharma's Loan		30,000
To Machinery		52,000	By Provision for Doubtful Debts		4,000
To Investments		38,500	By Bank :		
To Fixtures		27,000	Sundry Debtors	52,000	
To Gupta's Capital A/c			Stock	42,000	
(Mrs. Gupta's Loan)		20,000	Bills Receivable	16,000	
To Bank A/c :			Machinery	49,000	
Creditors	36,860		Fixtures	20,000	1,79,000
Mrs. Sharma's Loan	30,000		By Gupta's Capital A/c		
Realisation Expenses	1,200	68,060	(Investments)		36,000
			By Loss transferred to :		
			Gupta's Capital A/c	8,280	
			Sharma's Capital A/c	8,280	16,560
		3,23,560			3,23,560

Partner Capital Account:

Dr. **Cr.**

Particulars	Gupta ₹	Sharma ₹	Particulars	Gupta ₹	Sharma ₹
To Realisation A/c			By Balance b/d	90,000	60,000
(Investments)	36,000	--	By Realisation A/c		
To Realisation A/c (Loss)	8,280	8,280	(Mrs. Gupta's Loan)	20,000	--
To Bank A/c			By General Reserve A/c	3,000	3,000
(Balancing Figure)	68,720	54,720			
	1,13,000	63,000		1,13,000	63,000

Bank Account:

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	12,500	By Realisation A/c (Payment of	
To Realisation A/c		Expenses and Liabilities)	68,060
(Assets Realised)	1,79,000	By Gupta's Capital A/c	68,720
		By Sharma's Capital A/c	54,720
	1,91,500		1,91,500

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 19 अशोक, बांबू और चेतन साझेदार हैं।लाभ/हानि का विभाजन अनुपात क्रमशः 1/2, 1/3, 1/6 है।31 मार्च, 2017 को फर्म का विघटन हो गया जबकि तुलन पत्र निम्न है :

31 मार्च, 2017 को अशोक, बाबू और चेतन का तुलन पत्र:

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		20,000	बैंक (Bank)	7,500
देय विपत्र (Bills Payable)		25,500	विविध देनदार (Sundry Debtors)	58,000
चेतन से ऋण (Chetan's Loan)		30,000	स्टॉक (Stock)	39,500
पूँजी (Capitals) :			मशीनरी (Machinery)	48,000
अशोक (Ashok)	70,000		विनियोग (Investment)	42,000
बाबू (Babu)	55,000		स्वतंत्र परिसम्पत्ति (Freehold Property)	50,500
चेतन (Chetan)	27,000	1,52,000		
चालू खाते (Current Accounts) :				
अशोक (Ashok)	10,000			
बाबू (Babu)	5,000			
चेतन (Chetan)	3,000	18,000		
		2,45,500		2,45,500

बाब ने मशीनरी को ₹ 45,000 में ले लिया।अशोक ने विनियोग ₹ 40,000 में लिया तथा पूर्ण स्वामित्व परिसम्पत्ति को चेतन ने ₹ 55,000 में लिया।शेष परिसम्पत्तियों से वसूली इस प्रकार है : विविध देनदार ₹ 56,500 और स्टॉक ₹ 36,500।विविध लेनदारों का भुगतान 7% छूट पर किया।गैर-अभिलेखित कम्प्यूटर से ₹ 9,000 वसूल हुए।वसूली व्यय की राशि ₹ 3,000 है।

वसूली खाता, साझेदारों के पूँजी खाते व बैंक खाता तैयार करें।

उत्तर – Realisation Account:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Sundry Debtors		58,000	By Sundry Creditors		20,000
To Stock		39,500	By Bills Payable		25,500
To Machinery		48,000	By Ashok's Capital A/c (Investments)		40,000
To Investments		42,000	By Babu's Capital A/c (Machinery)		45,000
To Freehold Property		50,500	By Chetan's Capital A/c (Freehold Property)		55,000
To Bank :			By Bank :		
Sundry Creditors	18,600		Sundry Debtors	56,500	
Bills Payable	25,500		Stock	36,500	
Realisation Expenses	3,000	47,100	Unrecorded Computer	9,000	1,02,000
To Profit transferred to Capital A/cs :					
Ashok	1,200				
Babu	800				
Chetan	400	2,400			
		2,87,500			2,87,500

Partners' Capital Accounts:

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Bank A/c	30,000	By Balance b/d	30,000
	30,000		30,000

Chetan's Loan Account:

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	7,500	By Realisation (Payment of Expenses and Liabilities)	47,100
To Realisation A/c (Assets Realised)	1,02,000	By Chetan's Loan A/c	30,000
To Chetan's Capital A/c	24,600	By Ashok's Capital A/c	41,200
		By Babu's Capital A/c	15,800
	1,34,100		1,34,100

Bank Account :

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		62,000	बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)	16,000
देय विपत्र (Bills Payable)		32,000	विविध देनदार (Sundry Debtors)	55,000
बैंक ऋण (Bank Loan)		50,000	स्टॉक (Stock)	75,000
संचय कोष (General Reserve)		16,000	मोटर कार (Motor Car)	90,000
पूँजी (Capitals) :			मशीनरी (Machinery)	45,000
तनु (Tanu)	1,10,000		विनियोग (Investments)	70,000
मनु (Manu)	90,000	2,00,000	फिक्सचर्स (Fixtures)	9,000
		3,60,000		3,60,000

प्रश्न 20 तनु और मनु का तुलन पत्र निम्न है जो कि अपना लाभ व हानि 5 : 3 के अनुपात में विभाजित करते हैं :

31 मार्च, 2017 को तनु और मनु का तुलन पत्र

इस तिथि को फर्म का विघटन हो गया और निम्न समझौता हुआ: तनु ने विविध देनदार लिए और बैंक ऋण का भुगतान करने के लिए सहमत हुई।विविध लेनदारों ने स्टॉक स्वीकार किया और फर्म को ₹ 10,000 का भुगतान किया।मनु ने मशीनरी को ₹ 40,000 में लिया और देय विपत्र का 5% छूट पर भुगतान के लिए सहमत हुआ।मोटर कार को तनु ने ₹ 60,000 में लिया।विनियोग से ₹ 76,000 व फिक्सचर्स से ₹ 4,000 वसूल हुए।वसूली व्यय की राशि ₹ 2,200 है।

वसूली खाता, बैंक खाता व साझेदारों के पूँजी खाते तैयार करें।

उत्तर – Realisation Account:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Sundry Debtors	55,000	By Sundry Creditors		62,000
To Stock	75,000	By Bills Payable		32,000
To Motor Car	90,000	By Bank Loan		50,000
To Machinery	45,000	By Tanu's Capital A/c :		
To Investments	70,000	Sundry Debtors	55,000	
To Fixtures	9,000	Motor Car	60,000	1,15,000
To Tanu's Capital A/c (Bank Loan)	50,000	By Bank : Stock (Paid by Creditors)	10,000	
To Manu's Capital A/c (Bills Payable)	30,400	Investments	76,000	
To Bank (Expenses)	2,200	Fixtures	4,000	90,000
		By Manu's Capital (Machinery)		40,000
		By Loss transferred to Capital A/cs :		
		Tanu	23,500	
		Manu	14,100	37,600
	4,26,600			4,26,600

Partners' Capital Accounts:

Dr. **Cr.**

Particulars	Tanu ₹	Manu ₹	Particulars	Tanu ₹	Manu ₹
To Realisation A/c (Assets)	1,15,000	40,000	By Balance b/d	1,10,000	90,000
To Realisation A/c (Loss)	23,500	14,100	By Realisation A/c (Liabilities)	50,000	30,400
To Bank A/c (*Balancing Figure*)	31,500	72,300	By General Reserve A/c	10,000	6,000
	1,70,000	1,26,400		1,70,000	1,26,400

Bank Account:

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	16,000	By Realisation A/c (Exp.)	2,200
To Realisation A/c (Assets)	90,000	By Tanu's Capital A/c	31,500
		By Manu's Capital A/c	72,300
	1,06,000		1,06,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)